www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 143 || अम्बेडकरनगर
गुरुवार
13 अगस्त 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
दैनिक
तमसा संकेत
https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:36
सूर्यास्तः 06:46
अधिकतमः 35°00
न्यूनतमः 28°00

पेज 07

विशेष समाचार
अंगदान की संस्कृति ही ... >> पेज 04
शादीशुदा प्रेमिका को घर ... >> पेज 06
सलमान ने 'जीने के हैं चार दिन' ...

स्पीकर चर्चा के लिए घंटे तय करें : शाह

शाह बोले-मैं सदन में रहूंगा, ओम बिरला को लेटर लिखा, राहुल बोले- हमें लेक्चर नहीं सुनना

बयान

- संसद के मानसून सत्र के 18वें दिन भी सत्ता पक्ष और विपक्ष ने संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। बुधवार को दोनों सदनों में हंगामा हुआ जिसके बाद लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही 2 बजे तक स्थगित कर दी गई।

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को लेटर लिखा। उन्होंने नीट पेपर लीक पर छात्रों के प्रदर्शन के मुद्दे पर चर्चा के लिए समय तय करने की मांग की।

इससे पहले सुबह सदन के बाहर शाह ने मीडिया से बातचीत में कहा था कि सरकार हर मुद्दे पर चर्चा को तैयार है, लेकिन विपक्ष सदन को चलने दे।

इस पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा, 'हमें उनका लेक्चर नहीं सुनना है। पहले ये बताएं कि जंतर-मंतर पर छात्रों पर गोलियां किसने चलवाईं। उन्होंने आदेश नहीं दिया तो वे इस्तीफा दें।'

इस बीच सरकार ने FCRA संशोधन बिल, 2026 को जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी यानी JPC के पास भेजने का प्रस्ताव लोकसभा में रखा, जिसे मंजूरी मिल गई। समिति में लोकसभा के 21 और राज्यसभा के 10 सदस्य होंगे।

शाह ने पहली बार इस मुद्दे पर सार्वजनिक बयान दिया, कहा- रोज सदन में आ रहा हूं

राहुल ने कहा- स्टूडेंट्स को गोली किसने मारी? स्टूडेंट्स को कीलों वाली लाठियों से पीटने का ऑर्डर किसने दिया? क्या अमित शाह ने हमारे बच्चों को गोली मारने का ऑर्डर दिया था? अगर उन्होंने दिया है, तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। राहुल ने आगे कहा- शाह घर के सामने हजार पुलिस वाले खड़े होते हैं। 30 गाड़ियां उनके आगे पीछे होती हैं कि कहीं कोई बच्चा न आ जाए। पिछले 20 दिनों से अमित शाह गायब हैं। गृह मंत्री में हिम्मत नहीं है। वह सदन में नहीं आ सकते। गृह मंत्री अमित शाह लोकसभा में FCRA संशोधन बिल, 2026 को दोनों सदनों की संयुक्त समिति (JPC) के पास भेजने का प्रस्ताव रखेंगे।

>> (शेष पेज 06 पर)

शाह का लोकसभा स्पीकर को लेटर

गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को लेटर लिखा। उन्होंने कहा, आप जानते हैं कि संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कार्य मंत्रणा समिति (BAC) की बैठक के दौरान सरकार की ओर से NEET परीक्षा को लेकर छात्रों के प्रदर्शन पर संसद में चर्चा कराने पर सहमति जताई है। >> (शेष पेज 06 पर)

मानसून सत्र के 18वें दिन शाह ने संसद नहीं चलने के मुद्दे पर बयान दिया। इस पर राहुल गांधी ने भी प्रतिक्रिया दी।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सदन में अमित शाह की सदन में गैरहाजिरी पर निशाना साधते हुए कहा- जिनके नाम से बिल है, किसी कारण से वे अबसेंट हैं तो वो चलेगा। लेकिन उनका रोज का धंधा हो गया है। उन्हें बुलाइए।
जेपी नड्डा ने खड़गे पर पलटवार करते हुए कहा कि सरकार ने स्पष्ट रूप से कहा है कि हम चर्चा के लिए तैयार हैं। आप चर्चा से भागिए मत।

एफसीआरए संशोधन बिल जेपीसी को भेजने का प्रस्ताव लोकसभा में पास

लोकसभा ने हंगामे के बीच FCRA संशोधन बिल, 2026 को दोनों सदनों की संयुक्त समिति (JPC) के पास भेजने का प्रस्ताव मंजूर कर लिया। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने इसका विरोध किया। इसपर संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू ने कहा कि कुछ बिलों को JPC के पास भेजा जाता है और सरकार भी यही कर रही है। बिल में कुछ आपत्तिजनक है तो विपक्ष JPC के सामने अपनी बात रख सकता है।खुश होने के चक्कर में इसका विरोध करना अफसोस की बात है। वहीं, अखिलेश यादव ने FCRA बिल का विरोध करते हुए कहा कि पूरा विपक्ष इसके खिलाफ है। रिजिजू के इस दावे पर कि बिल अल्पसंख्यकों के खिलाफ नहीं है, अखिलेश ने सवाल किया- आप बताइए कि कौन सा बिल अल्पसंख्यकों के खिलाफ नहीं है?

- सदन में हंगामे के बीच लोकसभा की कार्यवाही 13 अगस्त सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।
- गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने लोकसभा में एफसीआरए संशोधन बिल, 2026 को संसद की 31 सदस्यीय संयुक्त समिति के पास भेजने का प्रस्ताव रखा है। समिति में लोकसभा के 21 और राज्यसभा के 10 सदस्य होंगे।

राहुल बोले- शाह को इस्तीफा देना चाहिए

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा- विपक्ष ने साफ-साफ कह दिया है कि हमें अमित शाह के भाषण में कोई दिलचस्पी नहीं है। जब मैं 'हम' कहता हूं, तो मेरा मतलब इस देश की युवा पीढ़ी से है।

स्टूडेंट्स को गोली किसने मारी? स्टूडेंट्स को कीलों वाली लाठियों से पीटने का ऑर्डर किसने दिया? क्या अमित शाह ने हमारे बच्चों को गोली मारने का ऑर्डर दिया था? अगर उन्होंने दिया है, तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए।

उनके घर के सामने हजार पुलिस वाले खड़े होते हैं। 30 गाड़ियां उनके आगे पीछे होती हैं कि कहीं कोई बच्चा न आ जाए। पिछले 20 दिनों से अमित शाह गायब हैं। गृह मंत्री में हिम्मत नहीं है। वह सदन में नहीं आ सकते।

यूपी में रक्षाबंधन से पहले योगी सरकार ने बहनों को दिया तोहफा

6 दिनों के लिए चलेंगी अतिरिक्त बसें

सौगात

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर बहनों को अपने भाइयों तक पहुंचने में किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने व्यापक परिवहन व्यवस्था की तैयारी शुरू कर दी है। परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने 26 अगस्त से 31 अगस्त तक छह दिनों के लिए प्रदेश में अतिरिक्त बसों के संचालन के निर्देश दिए हैं। सरकार के इस फैसले से त्योहार के दौरान यात्रियों को सुरक्षित, सुगम और सुविधाजनक यात्रा उपलब्ध होने की उम्मीद है। परिवहन मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप रक्षाबंधन पर प्रदेश की बहनों को सुरक्षित और सुगम यात्रा उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। त्योहार से पहले और उसके बाद यात्रियों की संख्या बढ़ने को देखते हुए परिवहन निगम को अधिकतम बसों का संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

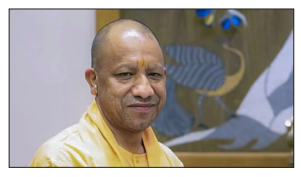

- बस अड्डों पर मिलेंगी बेहतर सुविधाएं
- दिल्ली से पूर्वांचल तक बढ़ेगी परिवहन कनेक्टिविटी

जंतर-मंतर सीजन 2 जल्द आएगा : अभिजीत दीपके

हमें दिल्ली में बैठक के लिए हॉल नहीं मिला

ऐलान

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने बुधवार को छात्र आंदोलन की तर्ज पर एक और प्रदर्शन जल्द शुरू करने का ऐलान किया। उन्होंने इसे 'जंतर-मंतर सीजन 2' बताया।

दीपके ने आरोप लगाया, 'हमने आज दिल्ली में अपने वॉलेंटियर्स की बैठक रखी थी। हम एक हॉल की तलाश कर रहे थे, लेकिन कोई भी हमें हॉल किराए पर देने को तैयार नहीं था। सभी लोग कहते रहे कि ऊपर से दबाव है।' उन्होंने आरोप लगाया, ' इन सब के पीछे BJP का हाथ है। इस तरह की कार्रवाई से हम पीछे नहीं हटेंगे।'

NEET पेपर लीक के मामले में CJP ने जंतर-मंतर पर 37 दिन धरना प्रदर्शन किया था।

>> (शेष पेज 06 पर)

- सीजेआई सूर्यकांत के बयान के बाद बनी कॉकरोच जनता पार्टी

फास्ट न्यूज

बिल्डिंग के 11वें फ्लोर पर आग लगी

मुंबई। मुंबई के विले पार्ले इलाके में मंगलवार रात करीब 10 बजे रिहायशी इमारत शांता भवन की 11वीं मंजिल पर आग लग गई। हदसे में ढाई साल के बच्चे समेत दो लोगों की मौत हो गई। आग लगने के बाद करीब 15 लोग 3 घंटे तक बिल्डिंग की छत पर फंसे रहे, जिन्हें बाद में रेस्क्यू कर लिया गया।

सस्पेंड खुलासा

बेंगलुरु जेल में प्रज्वल रेवन्ना के पास फोन मिला

बेंगलुरु। बेंगलुरु की सेंट्रल जेल में बंद पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना के पास मोबाइल और पेन ड्राइव मिली है। सेंट्रल क्राइम ब्रांच (CCB) ने मंगलवार को जेल में छापेमारी की थी। जेल DGP अलोक कुमार ने बुधवार को इसकी जानकारी दी।

प्रज्वल जनता दल (सेक्युलर) के विधायक एचडी रेवन्ना का बेटा और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा का पोता है। वह महिलाओं से रेप केस में अगस्त 2025 से उम्रकैद की सजा काट रहा है।

उन्होंने बताया कि घटना सामने आने के बाद सेंट्रल जेल के असिस्टेंट सुपरिंटेंडेंट को सस्पेंड किया गया है।

इंडिगो फ्लाइट के इंजन में खराबी

नई दिल्ली। चेन्नई एयरपोर्ट पर मंगलवार देर रात एक इंडिगो फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिग कराई गई। फ्लाइट कोलकाता से चेन्नई आ रही थी। फ्लाइट चेन्नई में लैंड करने वाली थी, तभी पायलट ने महसूस किया कि बायां इंजन फेल हो गया है। उसने तुरंत एयर ट्रैफिक कंट्रोल को इसकी जानकारी दी, जिसके बाद चेन्नई एयरपोर्ट पर रात 11:29 बजे फुल इमरजेंसी घोषित की गई।

कश्मीरी पंडित मर्डर केस में एसआईए की छापेमारी

पिता-पुत्र हत्याकांड में 9 जगह तलाशी ली

जांच

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (SIA) ने बुधवार को 1990 के कश्मीरी पंडित पिता-पुत्र हत्याकांड में 9 जगह तलाशी ली। इनमें जम्मू, बारामूला, शोपियां, अनंतनाग शामिल हैं।

मामला कश्मीरी पंडित लेखक और सामाजिक कार्यकर्ता सरवनंद कौल प्रेमी और उनके बेटे वीरेंद्र कौल के अपहरण और हत्या से जुड़ा है। दोनों अनंतनाग के कोकरनाग स्थित सोफ शाली के रहने वाले थे।

1990 में केस अनंतनाग के डोरू थाने में दर्ज हुआ था। अब इसकी जांच SIA कर रही है। कश्मीरी पंडित कवि सरवनंद कौल प्रेमी और उनके 27 साल के बेटे वीरेंद्र कौल को 29 अप्रैल 1990 की रात हथियारबंद आतंकियों ने उनके घर से किडनैप किया था।

>> (शेष पेज 06 पर)

- 29 अप्रैल 1990 की रात घर से उठाया था
- 8 अगस्त को सीआईके ने भी की थी तलाशी

मोदी ने कहा- रील्स के दौर में शॉर्टकट न अपनाएं

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने बुधवार को पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की बायोग्राफी 'ट्रायम्फ ऑफ द इंडियन रिपब्लिकः माय लाइफ, माय स्ट्रगल्स' लॉन्च की। इस दौरान उन्होंने युवाओं से दूसरों के संघर्षों से सीखने और आत्मकथाएं पढ़ने की अपील की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा- आज रील्स का दौर है। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर आपको कहीं और ले जाते हैं, लेकिन इस दौर में भी रेलवे स्टेशनों पर लिखी बात याद रखें कि शॉर्टकट न अपनाएं। शॉर्टकट आपको छोटा कर देगा। राष्ट्रपति पद छोड़ने के बाद कोविंद रुके नहीं हैं और वन नेशन, वन इलेक्शन हल पर काम कर रहे हैं। आत्मकथा पढ़ने से उस दौर को समझने का मौका मिलता है, जिसे लेखक ने खुद जिया है। हमें भविष्य में कोविंद जैसे और युवा चाहिए। ऐसे लोग, जो परिस्थितियों से हार न मानें और हर चुनौती का सामना करने का दृढ़ संकल्प रखें।

जांच समिति बोली- सबूतों से छेड़छाड़ हुई, नोटों की बोरी कहां से आई, नहीं बता पाए

कैश कांड : हाईकोर्ट जस्टिस वर्मा पर लगे आरोप साबित

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। घर में नकदी मिलने के मामले में लोकसभा की जांच समिति ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश यशवंत वर्मा को दोषी ठहराया है। लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक, समिति ने उनके सरकारी आवास से बरामद बेहिसाब नकदी को लेकर दिए गए स्पष्टीकरण को टालमटोल वाला और असंतोषजनक बताया है। तीन सदस्यीय न्यायाधीश जांच समिति ने उनके खिलाफ लगाए गए तीनों आरोपों को साबित माना है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा गठित समिति ने बुधवार को अपनी रिपोर्ट लोकसभा में पेश कर दी।

>> (शेष पेज 06 पर)

समिति के मुताबिक, अभियोजन पक्ष के साक्ष्य पूरे होने और बचाव पक्ष की गवाही का चरण शुरू होने के बाद न्यायमूर्ति वर्मा कार्यवाही से हट गए। उन्होंने खुद गवाही नहीं दी और न ही अपने परिवार, निजी कार्यालय, घरेलू कर्मचारियों या सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े किसी व्यक्ति को गवाह बनाया।

सबूत नहीं रखे गए सुरक्षित

जांच में समिति ने यह दर्ज किया कि बरामद नकदी को न तो जब्त किया गया और न ही उसकी गिनती की गई। मौके पर कोई इन्वेंट्री या पंचनामा तैयार नहीं हुआ और नकदी के नमूने भी सुरक्षित नहीं रखे गए। इसके बावजूद समिति ने माना कि उपलब्ध साक्ष्य नकदी की मात्रा को बहुत बड़ी और पर्याप्त साबित करने के लिए पर्याप्त हैं।

जस्टिस वर्मा के घर में जले नोट के वीडियो सार्वजनिक किए गए थे। करेंसी पूरी तरह राख हो गई थी।

संसदीय पैनल ने जस्टिस यशवंत वर्मा पर लगे तीनों आरोप सही पाए

संसदीय जांच पैनल ने जस्टिस यशवंत वर्मा पर लगाए गए आरोप सही पाए हैं। यह मामला उनके सरकारी आवास के स्टोररूम से नकदी मिलने से जुड़ा है। पैनल की रिपोर्ट बुधवार, 12 अगस्त को लोकसभा और राज्यसभा में पेश की गई। रिपोर्ट के मुताबिक, स्टोररूम में 500 रुपए के नोटों की काफी मात्रा मिली थी, लेकिन जस्टिस वर्मा नकदी के स्रोत, मालिकाना हक या वहां मौजूद होने की संतोषजनक वजह नहीं बता सके। जस्टिस वर्मा इस साल अप्रैल में हाईकोर्ट के जज पद से इस्तीफा दे चुके हैं।

संदेश: हमीरपुर में स्कूली बच्चों के प्रदर्शन का किया जिक्र, भाजपा लोकतंत्र को 'धनतंत्र' मानती है

भाजपा के शब्दकोश में जवाबदेही शब्द ही नहीं : अखिलेश यादव

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा के शब्दकोश में 'जवाब-देही' जैसा कोई शब्द नहीं है। भाजपा लोकतंत्र को 'धनतंत्र' मानकर केवल दोहन और दमन की राजनीति में विश्वास करती है।

अखिलेश यादव ने हमीरपुर में सड़क निर्माण को लेकर स्कूली बच्चों के प्रदर्शन का जिक्र करते हुए कहा कि वर्षों से सड़क निर्माण की समस्या का समाधान नहीं होने पर बच्चों ने जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर प्रभावशाली प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि इससे यह संदेश साफ है कि यदि भाजपा का अहंकारी शासन-प्रशासन जनता तक नहीं पहुंचेगा तो जनता खुद उनके पास पहुंच जाएगी। सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सत्ता के लिए समाज का इस्तेमाल करती है, जबकि समाजवादी सिद्धांत सत्ता को समाज के उत्थान और कल्याण का माध्यम मानता है। शासन और प्रशासन तभी सार्थक हैं, जब उनका लाभ आम जनता तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि यदि सरकार जनकल्याण सुनिश्चित नहीं कर सकती तो उसके अस्तित्व का औचित्य ही क्या है। सरकार की प्राथमिकता जनता की समस्याओं का समाधान और लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना होना चाहिए। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में हुए कार्यों में कमीशनखोरी और बजट की लूट हुई है। उन्होंने जेवर एयरपोर्ट पर जलभराव, लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस-वे पर गड्ढों और जल जीवन मिशन के तहत बनी पानी की टंकियों के गिरने का उदाहरण देते हुए सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए।

>> (शेष पेज 06 पर)

'एकतंत्र' नहीं, जनता के प्रति जवाबदेह हो शासन

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा ऊपर से नीचे तक जिस तरह का 'एकतंत्र' स्थापित करना चाहती है, वह अब नहीं चल सकता। जनप्र-तिनिधियों और लोक सेवकों को यह समझना होगा कि लोकतंत्र की व्यवस्था नीचे से ऊपर की ओर चलती है। उन्होंने कहा कि समाजवादी विचारधारा का मूल सिद्धांत है कि 'समाज के लिए सत्ता है।' सत्ता का उद्देश्य समाज के उत्थान और जनकल्याण के लिए काम करना होना चाहिए।

- बुधवार को संसद परिसर में मीडिया से बातचीत के दौरान अखिलेश यादव ने भाजपा शासित सरकारों पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि जहां-जहां भाजपा की सरकारें हैं, वहां 'महाभ्रष्टाचार' है।

मुंबई के घाटकोपर में लैंडस्लाइड, 7 की मौत

मलबे में दबे लोगों को कैमरों से तलाशा

हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी

मुंबई। मुंबई के घाटकोपर के चिराग नगर में बुधवार सुबह 3:48 बजे लैंडस्लाइड से पहाड़ी का मलबा 3 घरों पर गिर गया। हादसे में 7 लोगों की मौत और 7 घायल हुए हैं, जबकि 3-4 लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। रेस्क्यू टीम विक्टिम-डिटेक्शन कैमरों से तलाश कर रही है। गली बेहद संकरी है, भारी मशीनें मौके तक नहीं पहुंच पा रही हैं। मलबा पहले ब्रेकर से तोड़ा जा रहा है, फिर बाल्टियों से हाथ से हटाया जा रहा है, जिससे रेस्क्यू में समय लग रहा है। अधिकारियों के मुताबिक, प्रभावित इलाके तक पहुंचने वाली गलियां इतनी संकरी हैं कि एक समय में मुश्किल से एक व्यक्ति ही अंदर जा सकता है और दो लोग आमने-सामने भी खड़े नहीं हो सकते।

>> (शेष पेज 06 पर)

- गलियों में एक बार में एक व्यक्ति का अंदर जाना संभव

उफनाती नदी में स्कॉर्पियो सवार 6 लोग बहे

चेतावनी | कूदकर बचाई जान, काशी में 100 मंदिर डूबे, सीढ़ियों पर जल रहीं चिताएं

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/ वाराणसी/ प्रयागराज/ कानपुर । पहाड़ों पर हो रही जोरदार बारिश से यूपी में गंगा, यमुना और शारदा समेत 10 नदियां उफान पर हैं। सहारनपुर में शाहपुर गाड़ा नदी पर बना पुल डूब गया। मंगलवार शाम को पुल पर स्कॉर्पियो कार फंस गई। स्कॉर्पियो सवार 6 लोग कार सहित बहने लगे। किसी तरह कार से कूदकर लोगों अपनी जान बचाई। बाद में आसपास के लोगों ने ट्रैक्टर से कार बाहर निकाली।

वाराणसी में घाटों की सीढ़ियों तक पानी पहुंच गया है। सभी 84 घाटों को आपस में जोड़ने वाले रास्ते जलमग्न हो गए हैं। 100 से ज्यादा छोटे मंदिर डूब गए हैं। मणिकर्णिका घाट पर 50 फुट ऊंचा रत्नेश्वर महादेव मंदिर आधे से ज्यादा डूब चुका है। सिर्फ गुंबद दिखाई दे रहा।

तस्वीरें वाराणसी की हैं। हरिश्चंद्र घाट की सीढ़ियों पर चिताएं चल रही हैं। मंदिरों में पानी घुस गया है।

हरिश्चंद्र घाट पर शवदाह स्थल डूब गया है। घाट की ऊपरी सीढ़ियों पर चिताएं जलाई जा रही हैं। उन्नाव में गंगा का जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंच गया है। कॉलोनियों में नदी का पानी घुसने से गलियों में नावें चल रही हैं। वहीं, फर्रुखाबाद और बिजनौर के 45 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। अब तक 31 घर गंगा नदी में समा चुके हैं। मथुरा और आगरा में यमुना नदी का पानी घाटों की सीढ़ियां डूब गई हैं। वृंदावन में केशीघाट का परिक्रमा मार्ग जलमग्न हो गया है। इधर, बुधवार सुबह लखनऊ और बाराबंकी समेत 15 शहरों में बादल छाए रहे। हालांकि, दिन चढ़ने के साथ धूप निकल आई। आज 20 जिलों में बारिश का अलर्ट है। मौसम विभाग ने 16 जिलों में बाढ़ की चेतावनी भी जारी की है।

वाराणसी-कानपुर समेत 16 जिलों में बाढ़ की चेतावनी

मौसम विभाग ने हापुड़, बदायूं, फर्रुखाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, बलरामपुर, बाराबंकी, अयोध्या, गोरखपुर, कुशीनगर, बलिया, कौशांबी, औरैया, मथुरा और वाराणसी में बाढ़ की चेतावनी जारी की है। लोगों से कहा है कि निचले इलाकों में जाने से बचें।

सहारनपुर में नदी के तेज बहाव में फंसी कार, 6 लोगों ने कूदकर बचाई जान

सहारनपुर में शिवालिक की पहाड़ियों में लगातार हो रही तेज बारिश के कारण बरसाती नदियां उफान पर हैं। मंगलवार शाम 6 बजे मिर्जापुर-पाडली मार्ग पर पाजना नदी के तेज बहाव में एक कार फंस गई। कार में घायल युवक समेत छह लोग सवार थे, जिन्होंने कूदकर अपनी जान बचाई। नदी का बहाव इतना तेज था कि कार देखते ही देखते बहने लगी। हालांकि, ग्रामीणों की सूझबूझ और एक ट्रैक्टर की मदद से कार को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

मुजफ्फरनगर में भारी बारिश के बाद सड़कें तालाब बन गईं।

लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया मध्य प्रदेश के पास बने हवा के दबाव के कारण पश्चिमी यूपी में अच्छी बारिश हुई। जबकि, मानसूनी रेखा के दक्षिण की ओर खिसकने से पूर्वी और मध्य यूपी में बारिश कम रही। हालांकि, फिलहाल आसमान से मानसूनी बादल छट गए हैं। अगले 24 से 48 घंटे बाद मानसून के फिर से एक्टिव होने की उम्मीद है।

झोलाछाप के इंजेक्शन से 12 साल की बच्ची की मौत

पैर में मामूली खरोंच का इलाज कराने गई थी

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी । बाराबंकी के असंद्रा थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर चंदी गांव में बुधवार दोपहर करीब 12 बजे झोलाछाप डॉक्टर के इंजेक्शन लगाने के बाद 12 वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि डॉक्टर ने गलत इंजेक्शन लगाया। इसके करीब एक मिनट बाद ही बच्ची के मुंह से झाग निकलने लगा और उसकी हालत बिगड़ गई। बच्ची को सीएचसी सिद्धौर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मोहम्मदपुर चंदी गांव निवासी नंदिनी कक्षा 8 की छात्रा थी। वह अपने माता-पिता की इकलौती संतान थी। परिजनों के मुताबिक, पैर में लकड़ी लगने से उसे मामूली चोट आई थी। बुधवार दोपहर वह अपनी मां के साथ गांव में ही दुकान चलाने वाले एक झोलाछाप डॉक्टर के पास इलाज कराने पहुंची थी।

परिजनों का आरोप है कि डॉक्टर ने बच्ची को इंजेक्शन लगाया। इंजेक्शन लगने के करीब एक मिनट बाद ही उसकी हालत अचानक बिगड़ गई। उसके मुंह से झाग निकलने लगा। बच्ची की हालत गंभीर देखकर परिजन उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिद्धौर लेकर पहुंचे। वहां बच्ची को मृत घोषित कर दिया।

बच्ची की मौत की जानकारी मिलते ही आरोपी डॉक्टर अपनी क्लिनिक बंद कर मौके से फरार हो गया। घटना के बाद गांव में भी हड़कंप मच गया। सूचना पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी जुटाई।

फास्ट न्यूज

खूंखार कुत्तों का आतंक, 11 लोगों को काटा

बाराबंकी। बाराबंकी शहर के कटरा मोहल्ले में आवारा और खूंखार कुत्तों का आतंक बढ़ गया है। इन कुत्तों ने अब तक 11 लोगों को काटकर घायल कर दिया है। स्थानीय निवासियों में दहशत का माहौल है और वे नगर पालिका प्रशासन की लापरवाही पर आक्रोश व्यक्त कर रहे हैं। दर्पण सिनेमा के पीछे स्थित कटरा मोहल्ले के निवासियों का आरोप है कि उन्होंने आवारा कुत्तों की समस्या के समाधान के लिए नगर पालिका प्रशासन से कई बार शिकायत की है।

प्रतापगढ़ में कांग्रेस जिलाध्यक्ष पद के लिए दावेदारी प्रक्रिया शुरू

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ में कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान के तहत बुधवार को जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष पद के लिए दावेदारी प्रक्रिया आयोजित की गई। दोपहर करीब 2:30 बजे एआईसीसी ऑब्जर्वर प्रमोद सहवाग ने जिलाध्यक्ष पद के दावेदारों को आवेदन फॉर्म वितरित किए। इस दौरान पीसीसी ऑब्जर्वर भी मौजूद रहे। प्रमोद सहवाग ने कहा कि जिलाध्यक्ष का चयन पूरी पारदर्शिता के साथ किया जाएगा। इसके लिए कार्यकर्ता की योग्यता, संगठन के प्रति सक्रियता और कांग्रेस की विचारधारा में उसकी आस्था को प्रमुख आधार बनाया जाएगा।

15 अगस्त से पहले टिकैतनगर में चला विशेष स्वच्छता अभियान

बाराबंकी । बाराबंकी के टिकैतनगर में स्वतंत्रता दिवस से पूर्व एक विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। नगर पंचायत को स्वच्छ और सुंदर बनाने के उद्देश्य से बुधवार सुबह 9:30 बजे शहर के प्रमुख पार्कों में साफ-सफाई कराई गई। इस अभियान का नेतृत्व नगर पंचायत अध्यक्ष जगदीश प्रसाद गुप्ता ने किया, जिसमें सभासदों और कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

बिजली के बिल से रोशन हुई 16 हजार महिलाओं की जिंदगी

महिला सशक्तीकरण के लिए बेहद सफल हो रहा योगी सरकार का 'पावर मॉडल'

घर-घर पहुंचीं विद्युत सखियां, डेढ़ करोड़ से अधिक बिल जमा कराकर कमाए 45 करोड़

स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के लिए गांव में ही खुली रोजगार की राह, उपभोक्ताओं को घर के पास मिली बिल जमा करने की सुविधा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के गांवों में बिजली का बिल अब सिर्फ घर का खर्च नहीं, बल्कि हजारों महिलाओं की कमाई का जरिया भी बन रहा है। स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी करीब 16 हजार विद्युत सखियों ने अब तक 1,53,62,709 बिजली बिल जमा कराकर करीब 3,500 करोड़ रुपये का राजस्व संग्रह कराया है। इस काम के बदले महिलाओं के हाथ 45.4 करोड़ रुपये की कमाई आई है। योगी सरकार के इस मॉडल से एक तरफ ग्रामीण महिलाओं को अपने गांव और आसपास ही रोजगार मिल रहा है, वहीं दूसरी तरफ उपभोक्ताओं को बिजली बिल जमा करने के लिए दूर नहीं जाना पड़ रहा है। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन और उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन के सहयोग से चल रहे विद्युत सखी कार्यक्रम ने गांवों में रोजगार और जनसुविधा को एक साथ जोड़ दिया है। स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को बिजली बिल कलेक्शन का काम सौंपकर उन्हें नियमित आय का अवसर दिया जा रहा है। प्रदेश में अब तक 31,681 महिलाओं को विद्युत सखी के रूप में नियुक्त किया गया है। इनमें 16 हजार से अधिक विद्युत सखियां ई-वॉलेट रिचार्ज कर चुकी हैं और बड़ी संख्या में महिलाएं सक्रिय रूप से बिल कलेक्शन कर रही हैं। विद्युत सखियों के काम का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि गत पांच वर्षों में उनके माध्यम से अब तक प्रदेश में 1.53 करोड़ से अधिक बिजली बिल जमा कराए जा चुके हैं। इन बिलों के जरिए करीब 3,500 करोड़ रुपये बिजली विभाग के खाते में पहुंचे हैं।

कक्षा 1 से 5 तक हिंदी-गणित शिक्षकों के लिए संदर्शिका और शिक्षक डायरी की होगी उपलब्धता

शिक्षकों की तैयारी को मिलेगी नई गति, कक्षा में और प्रभावी होगी पढ़ाई

- **योगी सरकार ने सभी जिलों में संदर्शिका और शिक्षक डायरी के लिए 3.38 करोड़ रुपये से अधिक की लिमिट जारी की**
- **पाठ की तैयारी से लेकर प्रभावी शिक्षण तक शिक्षक को हर स्तर पर जरूरी शैक्षिक सहयोग देने को सरकार प्रतिबद्ध : मंत्री**

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। कक्षा में बेहतर पढ़ाई की पहली जरूरत है शिक्षक की बेहतर तैयारी। इसी सोच के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने शैक्षिक सत्र 2026-27 में शिक्षकों को जरूरी अकादमिक संसाधन उपलब्ध कराने के लिए 3.81 करोड़ रुपये से अधिक की लिमिट जारी की है। प्रदेश के सभी 75 जिलों में कक्षा 1 से 5 तक हिंदी एवं गणित के शिक्षकों के लिए संदर्शिका और शिक्षक डायरी उपलब्ध कराई जाएगी, जबकि कक्षा 6 से 8 तक के परिषदीय एवं कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों के शिक्षकों के लिए एलईपी मद में अलग से 42.61 लाख रुपये की लिमिट जारी हुई है। इस पहल का उद्देश्य शिक्षक को पाठ की तैयारी, शिक्षण गतिविधियों की योजना और कक्षा की जरूरत के अनुसार प्रभावी शिक्षण के लिए व्यवस्थित शैक्षिक सहयोग देना है, ताकि बेहतर तैयारी का सीधा असर बच्चों की सीख पर दिखाई दे। कक्षा 6 से 8 तक के परिषदीय एवं कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों के शिक्षकों के लिए एलईपी मद में 42.61 लाख रुपये की अलग लिमिट जारी की जाएगी।

संदर्शिका के मुद्रण के लिए 1.72 करोड़, शिक्षक डायरी के लिए 1.52 करोड़ और परिवहन के लिए 13.27 लाख रुपये कक्षा 6 से 8 तक के परिषदीय और केजीबीवी शिक्षकों के लिए एलईपी मद में 42.61 लाख रुपये की अलग लिमिट

शिक्षक की तैयारी के लिए 338.54 लाख रुपये

राज्य परियोजना निदेशक कार्यालय, समग्र शिक्षा की ओर से कक्षा 1 से 5 तक हिंदी एवं गणित विषय की संदर्शिका और शिक्षक डायरी के मुद्रण एवं आपूर्ति के लिए 75 जिलों को कुल 338.54 लाख रुपये की लिमिट जारी की गई है। इसमें संदर्शिका के मुद्रण के लिए 172.35 लाख रुपये, शिक्षक डायरी के लिए 152.91 लाख रुपये और मुद्रित सामग्री के परिवहन के लिए 13.27 लाख रुपये शामिल हैं। संदर्शिका शिक्षक को पाठ्यपुस्तक के साथ विषयवस्तु को बेहतर ढंग से समझाने, शिक्षण गतिविधियों की योजना बनाने और कक्षा की जरूरत के अनुसार पाठ को आगे बढ़ाने में सहयोग देगी। वहीं शिक्षक डायरी के माध्यम से शिक्षक अपनी कक्षा कक्ष की कार्ययोजना और शिक्षण गतिविधियों की तैयारी को अधिक व्यवस्थित कर सकेंगे।

नीति आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने यूपी के मुख्य सचिव को पत्र भेजकर दी जानकारी

नीति आयोग की एबीपी रैंकिंग में गोरखपुर का बजा डंका

- **सीएम योगी के मार्गदर्शन में जिलाधिकारी और मुख्य विकास अधिकारी के प्रयासों से गोरखपुर ने रचा इतिहास**
- **मार्च तिमाही की डेल्टा रैंकिंग में बांसगांव ब्लॉक को शत प्रतिशत वेटेज के साथ प्रथम स्थान, मिला डेढ़ करोड़ रुपये का पुरस्कार**

तमसा संकेत, संवाददाता

शाश्वत त्रिपुरारी, मुख्य विकास अधिकारी, गोरखपुर

दीपक मीणा, जिलाधिकारी गोरखपुर

उत्कृष्ट उपलब्धि का श्रेय डीएम और सीडीओ ने सीएम योगी के मार्गदर्शन को दिया

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने गोरखपुर जिले के विकास को लेकर नया इतिहास रच दिया है। भारत सरकार के नीति आयोग की एबीपी (आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम या एस्पिरेशनल ब्लॉक प्रोग्राम) रैंकिंग में गोरखपुर जिले का बांसगांव विकास खंड, 'नंबर वन' चुना गया है। नंबर वन ब्लॉक बनने पर डेढ़ करोड़ रुपये का पुरस्कार भी मिला है। बांसगांव ब्लॉक की इस उपलब्धि ने गोरखपुर के साथ ही समूचे उत्तर प्रदेश का गौरव पूरे देश में बढ़ाया है। गोरखपुर के जिलाधिकारी दीपक मीणा और मुख्य विकास अधिकारी शाश्वत त्रिपुरारी ने इस उत्कृष्ट उपलब्धि का श्रेय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में हो रहे समावेशी विकास के कार्यों को दिया है।

जिलाधिकारी दीपक मीणा बताते हैं कि नीति आयोग के आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम का जोर समावेशी विकास के जरिये नागरिकों के जीवन में सुगमता और गुणवत्ता की वृद्धि तथा समग्र रूप में जीवन स्तर के सुधार पर होता है। इसके अंतर्गत पांच थीम स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा, कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र, आधारभूत ढांचा और सामाजिक विकास के कुल 39 केपीआई (की परफॉर्मेंस इंडिकेटर्स या मुख्य निष्पादन संकेतक) पर संबंधित आकांक्षी ब्लॉकों का मूल्यांकन किया जाता है। डीएम ने बताया कि मुख्यमंत्री जी के मार्गदर्शन में गोरखपुर बांसगांव ब्लॉक ने जनवरी-मार्च 2026 की तिमाही में सभी पांच थीम के 39 केपीआई में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शत प्रतिशत वेटेज प्राप्त किया है।

नीति आयोग की तरफ से देशभर में कराई गई जनवरी–मार्च 2026 तिमाही की आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम, डेल्टा रैंकिंग में गोरखपुर जनपद का बांसगांव ब्लॉक, उत्तरी भारत (जोन-2) में प्रथम स्थान प्राप्त करने में सफल रहा है। यह जानकारी नीति आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी निधि छिब्बर की तरफ से यूपी के मुख्य सचिव को भेजे एक पत्र में दी गई है। इस उत्कृष्ट उपलब्धि के एवज में गोरखपुर को डेढ़ करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि भी मिली है।

वाराणसी में 15 मिनट में बाइक जलकर खाक

चलती बाइक में लगी आग, सड़क पर लगा लंबा जाम

तमसा संकेत, एजेंसी

सारनाथ, वाराणसी। वाराणसी के कैंट थाना क्षेत्र के अर्दली बाजार इलाके में बुधवार दोपहर एक चलती बाइक में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते पूरी बाइक जलकर खाक हो गई। इस घटना के कारण सड़क पर लंबा जाम लग गया, हालांकि किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। नारायणपुर पुराना भट्ठा सिंधोरा रोड, शिवपुर के निवासी रवि प्रजापति (पुत्र राजेंद्र प्रसाद प्रजापति) ने बताया कि वे बिल्डिंग में खिड़की-दरवाजे लगाने का काम करते हैं। बुधवार को वे काम के सिलसिले में महावीर मंदिर की ओर जा रहे थे। दोपहर लगभग 1 बजे उनकी बाइक (नंबर UP65DZ4059) अचानक गर्म होकर बंद हो गई। रवि प्रजापति ने जब बाइक को दोबारा स्टार्ट करने की कोशिश की, तो उसमें अचानक आग लग गई। आग तेजी से फैली और पूरी बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी और आसपास के लोगों से मदद मांगी। इलाकाई लोगों ने बाल्टी के पानी, बालू और दुकान में रखे फायर संयंत्र की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग और भयावह होती गई। बीच सड़क पर बाइक में आग लगने से दोनों तरफ लंबा जाम लग गया। सूचना मिलने पर कैंट थाने की महिला सब इंस्पेक्टर आरती गौड़ मौके पर पहुंचीं। उन्होंने तत्काल फायर सर्विस टीम को सूचित किया और इलाकाई लोगों के साथ मिलकर फायर संयंत्र की सहायता से आग पर काबू पाया।

वारदात : गोरखपुर में सड़क पर दौड़ा-दौड़ाकर वार किए, हाथ जोड़कर जान की भीख मांगता रहा

ठेकेदार को नाबालिग ने तलवार से काट डाला

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर । गोरखपुर में बिजली विभाग के ठेकेदार की हत्या का वीडियो सामने आया है। इसमें एक नाबालिग सड़क पर दौड़ा-दौड़ाकर ठेकेदार पर तलवार से हमला करता दिख रहा। इस दौरान ठेकेदार हाथ जोड़कर छोड़ देने की मिन्नतें करता है, लेकिन आरोपी को तरस नहीं आता। उसे जब लगा कि ठेकेदार मर चुका है तो वह वहां से भाग निकला।

आरोपी ने 8 अगस्त को ठेकेदार की हत्या की, जिसका वीडियो मंगलवार देर शाम सामने आया। पुलिस के मुताबिक, जांच में पता चला कि एक साल पहले आरोपी के चचेरे भाई की हत्या हुई थी। मामले में ठेकेदार के परिवार के कुछ लोगों का नाम सामने आया था। इसी रंजिश में उसने वारदात को अंजाम

दिया। मामले में 8 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। एसएसपी डॉ. कौस्तुभ ने थाना प्रभारी को लाइन हाजिर कर दिया है। उनका कहना है कि आरोपियों के खिलाफ NSA के तहत भी कार्रवाई की जा रही है। घटना सिकरीगंज थाना क्षेत्र की है। अहिरौली गांव के रहने वाले शिवकुमार त्रिपाठी (52) बिजली विभाग में ठेकेदार थे। परिवार गांव में जबकि, खुद पत्नी के साथ गोरखपुर शहर में रहते थे। बेटा आदित्य त्रिपाठी गोरखपुर सिविल कोर्ट में वकील है। पुलिस के मुताबिक, 8 अगस्त को शिवकुमार गांव में एक ब्रह्मभोज में शामिल होने गए थे। वह जमीन पर बैठकर खाना खा रहे थे। गांव के ही राहुल चौधरी (30) ने पीछे से बांके से शिवकुमार के सिर पर हमला कर दिया।

2024 में हुई हत्या से जुड़ी थी पुरानी रंजिश

ग्रामीणों के मुताबिक, शिवकुमार की हत्या की वजह करीब 2 साल पुरानी रंजिश थी। 2024 में राहुल चौधरी के चचेरे भाई आदेश चौधरी की हत्या हुई थी। तब से राहुल और उसका परिवार शिवकुमार से नफरत करता था। हत्या का वीडियो सामने आने के बाद एसएसपी डॉ. कौस्तुभ ने बताया पुलिस ने मामले में सभी 8 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। लापरवाही के आरोप में सिकरीगंज थाना प्रभारी अंजुल चतुर्वेदी को तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया गया है।

नाबालिग आरोपी ने ठेकेदार पर सड़क पर दौड़ा-दौड़ाकर तलवार से हमला किया।

पार्षद ने पोस्ट किया वीडियो

11 अगस्त को बेतियाहाता के पार्षद और वकील विश्वजीत त्रिपाठी ने ठेकेदार की हत्या का वीडियो फेसबुक पर पोस्ट किया। उनका आरोप है कि वीडियो डिलीट करने के लिए पुलिस उन पर दबाव बना रही थी। पुलिस कोर्ट में पहुंची। उन्हें थाने ले जाने की कोशिश भी की गई। लेकिन वकीलों का विरोध देख पुलिस वहां से वापस चली गई।

असिस्टेंट प्रोफेसर को कॉलेज से निकालने पर हाईकोर्ट सख्त

कहा-बिना सुनवाई निष्कासन गलत, बरेली से जंतर-मंतर प्रोटेस्ट में शामिल हुए थे

तमसा संकेत, एजेंसी

बरेली । बरेली में गन्ना उत्पादक महाविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मोहित भारद्वाज को इलाहाबाद हाईकोर्ट से राहत मिली है। कोर्ट ने 22 जुलाई को उन्हें कॉलेज से निकालने का आदेश रद्द कर दिया है। हालांकि, मामला अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। अब कॉलेज के सक्षम अधिकारी दोबारा सुनवाई करके नया फैसला लेंगे। असिस्टेंट प्रोफेसर जंतर-मंतर पर विद्यार्थियों और युवाओं के समर्थन में आंदोलन में शामिल हुए थे। इसके बाद उनको कॉलेज से निकाल दिया गया था। इसपर उन्होंने कॉलेज से निकाले जाने के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। 5 अगस्त को न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन की अदालत ने इस पर फैसला सुनाया। जिसे बुधवार को हाईकोर्ट वेबसाइट पर अपलोड किया गया। डॉ. मोहित भारद्वाज 8 जुलाई को विद्यार्थियों और युवाओं के मुद्दों को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए आंदोलन में शामिल हुए थे। वहां से लौटने के बाद उनके खिलाफ कॉलेज स्तर पर कार्रवाई शुरू हुई। 22 जुलाई को कॉलेज ने उन्हें तत्काल प्रभाव से बाहर करने का आदेश जारी कर दिया था। इसके खिलाफ उन्होंने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। याचिका में राज्य सरकार के अलावा महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय के कुलपति, बरेली डीएम, जिला गन्ना अधिकारी, कॉलेज के प्राचार्य और प्रबंधक को भी पक्षकार बनाया गया था।

अब दोबारा होगी सुनवाई

सुनवाई के दौरान सामने आया कि कॉलेज ने डॉ. भारद्वाज को नोटिस दिया था और उनका जवाब भी लिया था। लेकिन 22 जुलाई को उन्हें निकालने का आदेश जारी करते समय उनके जवाब में कही गई बातों पर ध्यान नहीं दिया गया। कोर्ट ने इसे सही प्रक्रिया नहीं माना। इसी वजह से कॉलेज से निकालने का आदेश रद्द कर दिया गया। हाईकोर्ट ने मामला कॉलेज के सक्षम अधिकारी को वापस भेज दिया है। कोर्ट ने कहा है कि डॉ. भारद्वाज को अपनी बात रखने का पूरा मौका दिया जाए।

करीब दो माह बाद भी जिला टीम का गठन नहीं, अभियान तेज होने के बीच संगठनात्मक बदलाव पर टिकी निगाहें

जिलाध्यक्ष बदले पर टीम अब भी पुरानी

चुनौती

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। भाजपा के नए जिलाध्यक्ष को जिम्मेदारी मिले करीब दो माह बीत चुके हैं, लेकिन जिला कार्यकारिणी की नई तस्वीर अब तक सामने नहीं आई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का हालिया दौरा भी हो चुका है और इसके बाद पार्टी के कार्यक्रमों की गतिविधियां तेज हो गई हैं। रविदास कलश यात्रा से लेकर 'हर घर तिरंगा' अभियान तक कार्यकर्ता लगातार सक्रिय हैं, लेकिन संगठन के जिला ढांचे में अभी पुराने चेहरे ही प्रमुख भूमिका में नजर आ रहे हैं।

जिलाध्यक्ष दिलीप देव पटेल के सामने अब नई टीम के गठन को लेकर कार्यकर्ताओं की निगाहें टिकी हैं। संगठन के भीतर लंबे समय से यह चर्चा है कि नई कार्यकारिणी में किन पुराने पदाधिकारियों को बरकरार रखा जाएगा और किन नए चेहरों को जिम्मेदारी मिलेगी। सक्रिय कार्यकर्ताओं का एक वर्ग नई टीम में जमीनी स्तर पर काम करने वाले चेहरों को जगह मिलने की उम्मीद लगाए है। पुरानी कार्यकारिणी के कई पदाधिकारी फिलहाल सक्रिय हैं। वहीं नए जिलाध्यक्ष के साथ काम करने के लिए नए चेहरों को जिम्मेदारी मिलने की उम्मीद भी बनी हुई है। यही वजह है कि पार्टी के स्थानीय कार्यकर्ताओं में नई टीम को लेकर उत्सुकता बढ़ी है। अब सवाल यही है कि अंबेडकरनगर भाजपा की नई जिला कार्यकारिणी कब घोषित होगी और उसमें किन चेहरों को जगह मिलेगी? संगठनात्मक अभियानों की बढ़ती गति के बीच इस फैसले का इंतजार भी लंबा होता जा रहा है।

मिशन-2027 से पहले संगठन के सामने बड़ी चुनौती

विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियां अब राजनीतिक दलों के एजेंडे में प्रमुखता से आ चुकी हैं। ऐसे में जिला संगठन की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने, सरकारी योजनाओं और पार्टी के अभियानों को जनता तक पहुंचाने तथा चुनावी रणनीति को जमीन पर लागू करने में जिला कार्यकारिणी की अहम भूमिका रहती है।

> अंबेडकरनगर में पिछले चुनावों के परिणामों के बाद भाजपा के सामने संगठन को और मजबूत करने की चुनौती भी है। ऐसे में नई जिला टीम का गठन केवल पदाधिकारियों के बदलाव तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसे आगामी चुनाव की तैयारियों से जोड़कर देखा जा रहा है।

कार्यक्रमों में सक्रियता, जिम्मेदारियों में बदलाव का इंतजार

मुख्यमंत्री के दौरे के बाद भाजपा के कार्यक्रमों में तेजी आई है। अलग-अलग मंडलों में तिरंगा यात्रा और अन्य अभियान चल रहे हैं। इनमें जिला और मंडल स्तर के पदाधिकारी अपनी जिम्मेदारियां निभा रहे हैं। हालांकि, जिला कार्यकारिणी में बदलाव न होने से कई पदों पर पहले से जिम्मेदारी संभाल रहे पदाधिकारी ही दिखाई दे रहे हैं। पार्टी के भीतर नई कार्यकारिणी को लेकर अलग-अलग स्तर पर मंथन की चर्चा है। जिलाध्यक्ष की नई टीम में संगठन को कितना विस्तार दिया जाता है और किन चेहरों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलती है, यह घोषणा के बाद ही स्पष्ट होगा।

बिना मान्यता वाले स्कूलों पर फिर सख्ती, अब कार्रवाई का इंतजार

बीएसए ने सभी बीईओ को दिए निरीक्षण के निर्देश

> मान्यता से अधिक कक्षाएं चलाने पर भी होगी कार्रवाई

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिले में बिना मान्यता संचालित विद्यालयों और मान्यता प्राप्त कक्षाओं से अधिक कक्षाएं संचालित करने वाले स्कूलों पर बेसिक शिक्षा विभाग ने फिर शिकंजा कसने की तैयारी शुरू कर दी है। बीएसए डॉ. पूनम मिश्रा ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों (बीईओ) को विद्यालयों का निरीक्षण कर नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि जांच में अनियमितता मिलने पर संबंधित विद्यालय के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। निर्देश के बाद अब बीईओ

अपने-अपने क्षेत्रों में विद्यालयों का निरीक्षण करेंगे। इस दौरान विद्यालय की मान्यता, संचालित कक्षाओं और अन्य निर्धारित मानकों की जांच की जाएगी। बिना मान्यता विद्यालय संचालित मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। वहीं, जिस विद्यालय को जितनी कक्षाओं की मान्यता है, उससे अधिक कक्षाएं संचालित मिलने पर उन्हें बंद कराने की प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

विभागीय अधिकारियों के अनुसार, जांच में नियमों का उल्लंघन मिलने पर संबंधित विद्यालय को नोटिस दिया जाएगा। अवैध रूप से संचालित कक्षाओं को बंद कराया जाएगा। लगातार नियमों का उल्लंघन करने वाले विद्यालयों पर एक लाख रुपये तक जुर्माने की कार्रवाई के लिए प्रस्ताव बीएसए कार्यालय भेजा जाएगा। इसके साथ ही निरीक्षण में लापरवाही बरतने वाले खंड शिक्षा अधिकारियों की भी जवाबदेही तय करने की बात कही गई है। इससे अभियान की निगरानी और कार्रवाई दोनों स्तर पर जिम्मेदारी तय होने की उम्मीद है।

बिना मान्यता स्कूलों के खिलाफ विभाग की कार्रवाई को लेकर जिले में पहले भी अभियान चलते रहे हैं। ऐसे में इस बार विभागीय निर्देश के बाद सबसे बड़ा सवाल कार्रवाई की निरंतरता को लेकर है।

फास्ट न्यूज

नगर पंचायत बनी, पर गरीबों को नहीं मिला छत का सहारा

अंबेडकरनगर। नगर पंचायत राजेसुल्तानपुर में आवास योजना का लाभ नहीं मिलने से कई गरीब परिवार परेशानी झेल रहे हैं। जहांगीर-गंज विकासखंड की इस नगर पंचायत में कई परिवारों के पास अब तक पक्का मकान नहीं है। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण परिवार खुद मकान बनवाने की स्थिति में नहीं हैं। पात्र परिवारों ने सर्वे कराकर आवास योजना का लाभ दिलाने की मांग की है।

सोशल मीडिया पोस्ट से पुलिस हुई सक्रिय

अम्बेडकरनगर। थाना जैतपुर क्षेत्र में पारिवारिक विवाद के बीच सोशल मीडिया पर आत्महत्या से संबंधित पोस्ट किए जाने की सूचना पर पुलिस ने तत्काल संज्ञान लिया। पुलिस टीम ने महिला से संपर्क कर उसकी काउंसलिंग की और पूरे मामले की जानकारी ली। पुलिस के अनुसार, सोशल मीडिया पोस्ट की जानकारी मिलते ही टीम ने महिला से संपर्क किया। बातचीत के दौरान पारिवारिक विवाद से जुड़ी परिस्थितियों को समझा गया और महिला को समझाकर भविष्य में इस तरह की पोस्ट नहीं करने के लिए कहा गया।

पीएचसी के बगल सार्वजनिक शौचालय में गंदगी का अंबार

जहांगीरगंज, अंबेडकरनगर। तहसील आलापुर के जहांगीर-गंज विकासखंड और नगर पंचायत क्षेत्र में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) के बगल स्थित सार्वजनिक शौचालय की सफाई व्यवस्था बदहाल है। परिसर में गंदगी जमा होने के साथ दूषित पानी भी भरा है। इससे आसपास दुर्गंध फैल रही है और पीएचसी आने वाले मरीजों व तीमारदारों को परेशानी उठानी पड़ रही है।

आज कलेक्ट्रेट से शिवबाबा धाम तक निकलेगी तिरंगा यात्रा

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रीय एकता का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के लिए गुरुवार को जिले में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा दोपहर चार बजे कलेक्ट्रेट परिसर से शुरू होकर शिवबाबा धाम तक जाएगी। इसमें जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, युवाओं और आम नागरिकों की सहभागिता रहेगी। तिरंगा यात्रा का शुभारंभ जनप्रतिनिधियों द्वारा किया जाएगा। यात्रा के दौरान राष्ट्रीय ध्वज के साथ लोगों को देश की एकता, अखंडता और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी का संदेश दिया जाएगा। प्रशासन ने अधिक से अधिक लोगों से यात्रा में शामिल होने की अपील की है।

कलेक्ट्रेट से रवाना होने के बाद यात्रा शिवबाबा धाम पहुंचेगी। यहां तिरंगा कंसर्ट का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में वंदेमातरम का गायन होगा। इसके साथ ही विभाजन की विभीषिका से जुड़े

> शाम चार बजे रवाना होगी यात्रा, शिवबाबा धाम में होगा तिरंगा कंसर्ट विभाजन की विभीषिका पर लगेगी प्रदर्शनी

घटनाक्रम को प्रदर्शित करने के लिए प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। कार्यक्रम के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम, राष्ट्रीय एकता और देश के प्रति नागरिक जिम्मेदारी का संदेश देने का प्रयास किया जाएगा। जिला प्रशासन के अनुसार कार्यक्रम का उद्देश्य नागरिकों में राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और गौरव की भावना को मजबूत करना है। साथ ही 'हर घर तिरंगा-हर दिल तिरंगा' की भावना को जन-जन तक पहुंचाना है।

सरयू जल लेने निकले हजारों कांवड़िये 'बोल बम' से गूंजा कांवड़ मार्ग

किछौछा समेत कई इलाकों से अयोध्या के लिए रवाना हुए जत्थे

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। नाग पंचमी पर शिवालयों में जलाभिषेक के लिए बुधवार को जिले के अलग-अलग हिस्सों से कांवड़ियों के जत्थे अयोध्या के लिए रवाना हुए। डीजे पर गूंजते शिवभक्ति गीतों के बीच कांवड़िये 'बोल बम' और 'हर-हर महादेव' के जयघोष करते हुए आगे बढ़े। कांवड़ मार्ग पर जगह-जगह स्थानीय लोगों, समाजसेवियों और जनप्रतिनिधियों ने पुष्पवर्षा कर जत्थों का स्वागत किया।

अशरफपुर किछौछा नगर पंचायत क्षेत्र में नगर पंचायत अध्यक्ष ओमकार गुप्ता के निर्देश पर वरिष्ठ समाजसेवी एवं पत्रकार हरिओम गुप्ता और कोर कमेटी के सदस्यों ने कांवड़ियों का स्वागत किया। शिवभक्तों पर पुष्पवर्षा की गई और माला व अंगवस्त्र पहनाकर उनका अभिनंदन किया गया। नगर पंचायत कार्यालय के सामने कांवड़ियों के लिए जलपान की व्यवस्था भी की गई। नगर पंचायत अध्यक्ष ओमकार गुप्ता ने बताया कि कांवड़ यात्रा आस्था और शिवभक्ति से जुड़ी है। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए नगर पंचायत स्तर पर स्वागत, जलपान और साफ-सफाई की व्यवस्था की गई है।

रुस्तमपुर, भोजपुर, गोविंद साहब, भिदूण, किछौछा, रामडीह सराय, शुकुल बाजार, कटारगढ़, नाऊनगर, अछती और मकोइया समेत कई क्षेत्रों से कांवड़ियों के जत्थे अयोध्या की ओर रवाना हुए। जगह-जगह शिवभक्ति गीतों और जयघोष से माहौल भक्तिमय रहा। स्थानीय लोगों ने मार्ग में कांवड़ियों के लिए जलपान की व्यवस्था भी की। कांवड़िये अयोध्या पहुंचकर सरयू नदी से जल लेकर पैदल वापस लौटेंगे। करीब चार दिन की यात्रा पूरी करने के बाद नाग पंचमी से एक दिन पहले जत्थों के अपने गांवों की सीमा में पहुंचने का कार्यक्रम है।

अब रफ्तार पर पुलिस की पैनी नजर सड़कों पर उतरीं दो इंटरसेप्टर बाइक

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के प्रभावी पालन के लिए अम्बेडकरनगर पुलिस ने नई पहल की है। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने पुलिस कार्यालय परिसर से दो इंटरसेप्टर बाइक को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन बाइकों के जरिए प्रमुख मार्गों और हाईवे पर यातायात नियमों के उल्लंघन की निगरानी की जाएगी।

इंटरसेप्टर बाइक के जरिए विशेष रूप से तेज रफ्तार, खतरनाक तरीके से वाहन चलाने और लापरवाही से ड्राइविंग करने वाले वाहन चालकों पर नजर रखी जाएगी। तकनीकी संसाधनों की मदद से यातायात नियमों के उल्लंघन की पहचान कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस के अनुसार, इन बाइकों के सड़क पर सक्रिय रहने से यातायात प्रवर्तन व्यवस्था को अधिक गतिशील बनाने में मदद मिलेगी। प्रमुख मार्गों के साथ हाईवे पर भी निगरानी बढ़ाई जाएगी। बाइकों को

> ओवरस्पीडिंग और खतरनाक ड्राइविंग पर होगी तकनीकी निगरानी एसपी प्राची सिंह ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

रवाना करते समय पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि इंटरसेप्टर बाइक का अधिकतम उपयोग सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के अनुपालन के लिए किया जाए। उन्होंने कहा कि तकनीक का इस्तेमाल करते हुए सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने पर जोर दिया जाए।

नगर पालिका की अवर अभियंता को धमकी, रुपये मांगने और न देने पर फर्जी मुकदमे में फंसाने का आरोप

नगर पालिका की अवर अभियंता को धमकी

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। अकबरपुर नगर पालिका परिषद में तैनात अवर अभियंता ने एक व्यक्ति पर लगातार फोन कर परेशान करने, अभद्रता करने, रुपये मांगने और धमकी देने का आरोप लगाया है। महिला का कहना है कि नंबर ब्लॉक करने के बाद भी आरोपी दूसरे नंबरों से फोन करता रहा। रुपये नहीं देने पर आत्महत्या कर उसे फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी देने का भी आरोप है। शिकायत के आधार पर अकबरपुर कोतवाली पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नगर पालिका की अवर अभियंता सिविल मालविका सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि सरकारी कार्य के सिलसिले में साइट पर जाने के दौरान मीरपुर निवासी परमानंद यादव वहां पहुंचकर उन्हें परेशान करता है। आरोप है कि वह उनके मोबाइल पर बार-बार फोन करता है और मानसिक रूप से परेशान करता है। लगातार हो रहे कथित उत्पीड़न से परेशान होकर महिला ने अपने पति को इसकी जानकारी दी। आरोप है कि इसके बाद आरोपी पति से भी उलझ गया और उसे जान से मारने की धमकी दी। महिला ने शिकायत में आरोपी पर अपने वैवाहिक जीवन में हस्तक्षेप करने का भी आरोप लगाया है। महिला ने पुलिस से सरकारी कार्य में बाधा डालने, महिला के साथ अभद्रता और उत्पीड़न समेत अन्य आरोपों में कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। अब पुलिस आरोपी के फोन कॉल, शिकायत में लगाए गए आरोपों और उपलब्ध अन्य साक्ष्यों की जांच कर रही है। अकबरपुर प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार सिंह ने बताया कि शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच की जा रही है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नंबर ब्लॉक किया तो दूसरे फोन से कॉल

ब्लॉक किया नंबर तो दूसरे नंबर से फोन

शिकायत के अनुसार, महिला ने जब आरोपी का नंबर ब्लॉक कर दिया तो वह दूसरे नंबरों से कॉल करने लगा। फोन पर अभद्र भाषा का प्रयोग करने और कथित तौर पर शारीरिक व मानसिक उत्पीड़न करने का आरोप लगाया गया है। महिला ने पुलिस को बताया कि आरोपी उससे रुपये की मांग करता है। रुपये नहीं देने पर आत्महत्या कर उसे फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी देने का आरोप भी शिकायत में लगाया गया है।

अदालत ने भीटी पुलिस को एफआईआर दर्ज कर जांच के दिए आदेश

चार साल बाद खुलेगा अनुपम की मौत का राज

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। चार साल से लंबित युवक की संदिग्ध मौत का मामला अब पुलिस जांच के दायरे में आएगा। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, अंबेडकरनगर की अदालत ने भीटी पुलिस को एफआईआर दर्ज कर विवेचना करने का आदेश दिया है। युवक की मां कंचन पांडेय की ओर से दाखिल प्रार्थना पत्र पर सुनवाई के बाद छह अगस्त को यह आदेश पारित किया गया।

प्रार्थिनी की ओर से अधिवक्ता सवेंश पांडेय ने अदालत में पक्ष रखते हुए बताया कि घटना के बाद पुलिस से शिकायत किए जाने के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई। अदालत ने उपलब्ध प्रार्थना पत्र और पुलिस आख्या का अवलोकन करने के बाद मामले में प्रथम दृष्टया संज्ञेय अपराध के आरोप पाए और पुलिस जांच को जरूरी माना। प्रार्थना पत्र के अनुसार कंचन पांडेय अपने पति और परिवार के साथ छत्तीसगढ़ में रहती थीं। नौ दिसंबर 2022 को वह अपने पुत्र अनुपम के साथ रायपुर से प्रतापीपुर आई थीं। आरोप है कि जमीन संबंधी पुराने विवाद के चलते देवमणि पांडेय, अनुराग पांडेय, संतोष पांडेय, श्याम पांडेय, राजेंद्र पांडेय, ऋषि नारायण, महेश पांडेय और हर्षित औचट ने अनुपम को मंदिर के पास बुलाया।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि वहां अनुपम को कथित तौर पर जहरीला पदार्थ खिला दिया गया। रात करीब 1:30 बजे वह अचेत हालत में चारपाई पर मिला। इसके बाद उसे इलाज के लिए वाहन से ले जाया गया। अगले दिन उसकी तबीयत बिगड़ने की जानकारी परिवार को मिली।

संदिग्ध परिस्थितियों में हुई थी युवक की मौत

'बोल बम' के जयघोष से गूंजा जलालपुर काशी के लिए रवाना हुई कांवड़ यात्रा

तमसा संकेत, संवाददाता

> हजारों श्रद्धालु बने यात्रा का हिस्सा, भगवा ध्वज के साथ निकली शोभायात्रा भक्ति गीतों और झांकियों ने बांधा समां

जलालपुर, अंबेडकरनगर। 'हर-हर महादेव' और 'बोल बम' के जयघोष के बीच बुधवार को जलालपुर से काशी विश्वनाथ के लिए भव्य कांवड़ यात्रा रवाना हुई। श्री नवदुर्गा कांवड़िया मंडल एवं निशुल्क सेवा समिति के तत्वावधान में निकली यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु और कांवड़िए शामिल हुए। पूरे मार्ग पर धार्मिक उत्साह का माहौल रहा।

यात्रा का आयोजन मंडल अध्यक्ष सोनू गौड़ के नेतृत्व में हुआ। प्रबंधक संतराम जायसवाल के संयोजन और संरक्षक विकास निषाद के संरक्षण में कार्यक्रम की शुरुआत महादेव-पार्वती की पूजा-अर्चना से हुई। व्यापार मंडल की ओर से सोनू गौड़ और विकास निषाद को त्रिशूल भेंटकर स्वागत किया गया। इसके बाद व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष शिव कुमार गुप्ता और नगर अध्यक्ष संदीप अग्रहरि ने भगवा ध्वज लहराकर यात्रा को रवाना किया।

यादव चौराहा स्थित दुर्गा माता मंदिर से निकली कांवड़ यात्रा घसियारी टोला और मालीपुर त्रिमुहानी मार्ग से होते हुए रामजानकी मंदिर पहुंची। यहां श्रद्धालुओं ने विधिवत पूजन किया। पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. मिथिलेश त्रिपाठी, राम प्रकाश यादव, भाजपा नेत्री किरन पांडेय, वरिष्ठ नेता संजय सिंह, केशरी नंदन त्रिपाठी, कृष्ण कुमार और पूर्व नगर अध्यक्ष संजीव मिश्र समेत अन्य लोगों ने कांवड़ियों को विदाई दी।

प्रदर्शन : जंतर-मंतर के प्रदर्शन पर सुभासपा अध्यक्ष का पलटवार

'छात्रों की चिंता है तो झारखंड-पंजाब भी जाइए'

तमसा संकेत, संवाददाता

> गोरखपुर में तलवार से हुई हत्या की घटना पर राजभर ने दुख जताया। उन्होंने कहा कि घटना गंभीर और दुखद है। मामले की जांच कराई जाएगी और दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

अंबेडकरनगर। सुभासपा अध्यक्ष और प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने बुधवार को छात्र मुद्दे पर विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोला। जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन को लेकर उन्होंने विपक्ष की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि छात्रों के हित की बात करने वाले दलों को उन राज्यों में भी आवाज उठानी चाहिए, जहां भाजपा की सरकार नहीं है।

राजभर ने कहा कि पेपर लीक की घटनाओं को केवल भाजपा शासित राज्यों का मुद्दा बताना उचित नहीं है। झारखंड और पंजाब का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि यदि विपक्ष छात्रों के हित में आंदोलन कर रहा है तो उसे हर राज्य में सामने आ रही ऐसी घटनाओं पर समान रूप से आवाज उठानी चाहिए। उन्होंने कहा कि छात्रों की समस्या को राजनीतिक नजरिये से नहीं, बल्कि सभी राज्यों में एक समान मुद्दे के रूप में उठाया जाना चाहिए।

राजभर ने कहा कि जंतर-मंतर के प्रदर्शन में समाजवादी पार्टी, कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और आजाद समाज पार्टी समेत कई दलों के नेता शामिल हुए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदर्शन के दौरान कुछ उपद्रवी तत्व भी शामिल हो गए। उनका कहना था कि छात्र सामान्य तौर पर पत्थरबाजी, तोड़फोड़ या पुलिस से मारपीट नहीं करते। उपद्रव की स्थिति में पुलिस ने कार्रवाई की। राजभर ने दावा किया कि लाठीचार्ज शुरू होने के बाद प्रदर्शन में पहुंचे नेता वहां से निकल गए। राजभर ने अखिलेश यादव, डिंपल यादव, संजय सिंह, राहुल गांधी और चंद्रशेखर आजाद का नाम लेते हुए कहा कि अगर विपक्षी नेताओं को छात्रों की वास्तविक चिंता है तो उन्हें झारखंड और पंजाब सहित अन्य राज्यों में भी विद्यार्थियों की समस्याओं को उठाना चाहिए।

झारखंड की घटना पर भी विपक्ष से पूछा सवाल

कैबिनेट मंत्री ने झारखंड में गोली चलने की घटना का उल्लेख करते हुए विपक्षी दलों पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि वहां की घटना पर चर्चा करने के बजाय दिल्ली में प्रदर्शन किया जा रहा है। राजभर ने विपक्ष से पूछा कि यदि छात्रों के हित की चिंता है तो झारखंड में भी उनकी आवाज क्यों नहीं उठाई जा रही है।

तिरंगे के रंग में रंगा कटेहरी, हर घर तिरंगा अभियान में निकली यात्रा

भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने लिया हिस्सा

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत कटेहरी मंडल में तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा में भाजपा नेताओं, पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और विद्यालय परिवार के सदस्यों ने हिस्सा लिया। हाथों में तिरंगा लेकर निकले कार्यकर्ताओं ने लोगों से अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने की अपील की।

कटेहरी विधानसभा क्षेत्र के कटेहरी मंडल में आयोजित तिरंगा यात्रा में सदस्य विधान परिषद हरिओम पांडेय, भाजपा जिला उपाध्यक्ष डॉ. राना रणधीर सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष रमाशंकर सिंह, ब्लॉक प्रमुख मौसम वर्मा, मंडल अध्यक्ष सर्वेश सिंह और पूर्व मंडल अध्यक्ष अमरजीत मौर्य समेत पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल हुए। यात्रा के दौरान कार्यकर्ताओं ने तिरंगा लेकर लोगों को 'हर घर तिरंगा' अभियान से जुड़ने का संदेश दिया। आयोजकों ने कहा कि तिरंगा देश की एकता, अखंडता और स्वतंत्रता संग्राम के बलिदानों का प्रतीक है। लोगों से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने तथा तिरंगे के साथ अपनी तस्वीर अभियान की वेबसाइट पर साझा करने की अपील की गई।

इस दौरान अभिमन्यु अग्रहरि, सोनू अग्रहरि, प्रदीप सिंह, मंडल प्रभारी बाबा रामशब्द यादव, विजय सिंह, विकास सिंह, कपिलदेव तिवारी समेत शक्ति केंद्र संयोजक, मंडल पदाधिकारी और विभिन्न मोर्चों के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सम्पादकीय

संसद में सड़क की राजनीति

यह हास्यास्पद है कि जो विपक्ष और विशेष रूप से कांग्रेस जंतर-मंतर पर जुटी भीड़ के संसद मार्च में हुई हिंसा पर गृह मंत्री अमित शाह के जवाब की जिद पकड़े थी, वह अचानक उनका जवाब सुनने में आनाकानी करती हुई दिखाई देने लगी। इसके लिए राहुल गांधी यहां तक कहने लगे कि इस मामले में उसे गृह मंत्री से यह जानना है कि कथित तौर पर गोली चलाने के आदेश यदि उन्होंने नहीं दिए थे तो क्या वे इससे अनजान हैं कि किसने दिए थे?

क्या इससे बेतुकी बात और कोई हो सकती है? क्या राहुल गांधी यह कहने की कोशिश करते नहीं दिखते कि इस मसले पर गृह मंत्री वही जवाब दें, जो वे सुनना चाहते हैं? हैरानी नहीं कि कल को वे यह कहते दिखाई दें कि सरकार को विपक्ष के सवालों के जवाब में जो कुछ बोलना है, वह इसका निर्धारण खुद करेंगे। उनके इसी विचित्र रवैये के कारण सत्तापक्ष के सांसद संसद परिसर में ऐसे बैनरों के साथ दिखे कि राहुल गांधी भागो मत। उनसे झारखंड में छात्रों पर लाठीचार्ज के मामले में भी जवाब मांगा गया। यह स्थिति यही रेखांकित करने वाली है कि संसद में किसी भी विषय पर गंभीर चर्चा के लिए स्थान किस तरह लगातार कम होता जा रहा है। संसद में सड़क जैसी राजनीति होना दुर्भाग्यपूर्ण है। विपक्ष यह साधारण सी बात समझने के लिए तैयार नहीं कि संसद में हंगामा करने से वह केवल अपना अहित ही नहीं करता, बल्कि सत्तापक्ष का काम आसान करता है और उसे जवाबदेह बनाने के अवसर भी गंवाता है। विपक्षी दलों को यह नजर आना चाहिए कि उनके हंगामे के बाद भी कई विधेयक पारित होते जा रहे हैं। क्या इसका सीधा मतलब यह नहीं कि विपक्ष की दिलचस्पी यह जानने-समझने में कतई नहीं कि किसी प्रस्तावित कानून में क्या प्रविधान किए जा रहे हैं? यह ठीक नहीं कि संसद में विधेयक बिना चर्चा के पारित हो जाए, लेकिन ऐसा हो रहा है। इसके लिए विपक्ष ही अधिक जिम्मेदार है। वह संसद को बंधक बनाकर आवश्यक कामों में अड़ंगा लगाने के साथ जिम्मेदार विपक्ष की अपनी भूमिका का एक तरह से जानबूझ-कर परित्याग भी कर रहा है। ऐसा उसके हंगामा प्रेम के चलते हो रहा है। इस पर संदेह है कि विपक्ष सचमुच यह जानना चाहता है कि संसद मार्च में हिंसा किन परिस्थितियों में हुई या फिर राम मंदिर में चढ़ावा चोरी किन कारणों से हुई और उनके लिए कौन उत्तरदायी है? वह यह दिखावा करने को तो तत्पर है कि इन मुद्दों पर वह अत्यंत संवेदनशील है, लेकिन जिसे वह अपनी संवेदनशीलता के रूप में प्रचारित करना चाहता है, वह वस्तुतः उसकी सस्ती राजनीति है। सत्तापक्ष को विपक्ष को उसी की शैली में जवाब देने के बजाय इस सस्ती राजनीति का उचित तरीके से प्रतिकार करना सीखना होगा।

रिश्तों में हो तारतम्यता

रिश्तों मे मिठास न हो तो,वे केवल भार भूत बन जाते हैं। वह सामन्जस्य के अभाव मे तार-तार होकर, बिखर जाते हैं। वह वृक्ष भी बिना पोषण-संरक्षण के नहीं फलते-फूलते हैं । वह सौहार्द के सिंचन से मुरझाए हुए गुलशन भी निखर जाते हैं। दुनिया की सारी समस्याओं का निराकरण केवल इन दो पंक्तियों में है। हमको जब क्रोध आये तो थोडा रूक जाए । वह जब हमसे गलती हो तो थोडा झुक जाए । हमको जीवन में अभिमान किस बात का,खुशी दीजिये बदले में खुशी पाइये। हमारा जीवन बडा अनमोल है और व्यक्ति गलतियों का पुतला । गलती आपकी हो या हमारी रिश्ता तो अपना ही है नाAccept & Adjust . रिश्तों से अपेक्षा रखना कोई स्वार्थ नहीं हैं । मगर अपेक्षा के लिए रिश्ते रखना, स्वार्थ है ! ये हमेशा दुःख देती हैं। हमारे आपस के रिश्तों में कहीं तनाव हैं और दूसरों की बातों या बर्ताव से हम दुःखी हैं तो इसका सरल सा समाधान यह हैं कि हम आपस में बातचीत कर लें । वह हमारे द्वारा एक दूसरे को समझने से बिगड़े हुए रिश्तों में सुधार हो सकता हैं । वह हमारे द्वारा हर संभव कोशिश के बाद भी रिश्तें नहीं पनप रहें हों, तो हमको स्वयं के लिए खड़ा होना ही पड़ेगा । वह हम स्वयं को ऐसे आगे बढ़ रिश्तों में मिठास भर करना ही उचित होगा । फूलों में सुवास और रिश्तों में मिठास दोनों ही जीवन में आनंद का आभास देते हैं । इसलिए सदा रिश्तों को हरा-भरा रखने का प्रयास हो। यह केवल कपोल कल्पना नहीं है। यह दिवा सपना नहीं है। यह Harvard University की एक शोध Study का सारांश उनका अपना है । अतः हम समझें कि छोटी-छोटी बातों को लेकर तनाव की गनीमत जीवन में रिश्तों की कीमत में न लाएं । वैसे भी तो रिश्तों के धागे बहुत नाजुक होते हैं। वे नासमझ है जो रिश्तों को हल्के में लेते हैं। एक बात और मैं मानता हूं कि रिश्ते निभाने के लिए नम्र एवं कुशल व्यवहार चाहिए एवं नियमित कुछ समय के नियोजन की भी दरकार है । पर जीवन में उनकी अहमियत एवं रिश्तों की कीमत समझें ।

› प्रदीप छाजेड़

अंगदान की संस्कृति ही मानवता को नई दिशा दे सकती है

> आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने इस मानवीय भावना को वास्तविक जीवन बचाने की शक्ति प्रदान कर दी है। वर्ष 1954 में दुनिया का पहला सफल मानव किडनी प्रत्यारोपण हुआ। रोनाल्ड ली हेरिक ने अपनी एक किडनी अपने जुड़वां भाई रिचर्ड को दान की थी।

मनुष्य जीवनभर अपने लिए बहुत कुछ अर्जित करता है-धन, संपत्ति, प्रतिष्ठा, संबंध और सुविधाएँ। लेकिन जीवन की अंतिम घड़ी में इन सबका महत्व समाप्त हो जाता है। तब यदि हमारे शरीर का कोई अंग किसी दूसरे मनुष्य की धड़कन बन जाए, हमारी आँखें किसी अंधेरे जीवन में रोशनी भर दें, हमारा यकृत या गुर्दा किसी परिवार के बुझते चिराग को फिर से जला दे, तो इससे बड़ी जीवन-सार्थकता और क्या हो सकती है? अंगदान मृत्यु के बाद भी जीवन को जारी रखने की वह मानवीय संभावना है, जो मनुष्य को केवल अपने लिए जीने वाले प्राणी से उठाकर मानवता के लिए जीने वाला बना देती है। विश्व अंगदान दिवस हमें इसी महान विचार से जोड़ता है। आज आवश्यकता केवल अंगदान के बारे में जानकारी देने की नहीं, बल्कि हमारी सोच बदलने की है। हमें यह प्रश्न अपने आप से पूछना होगा कि जिस शरीर को मृत्यु के बाद पंचतत्व में विलीन होना है, उसके उपयोगी अंग यदि किसी दूसरे व्यक्ति को जीवन दे सकते हैं तो उन्हें अपने साथ मिट्टी में मिला देना अधिक सार्थक है या किसी की सांसों का हिस्सा बना देना? मृत्यु निश्चित है, लेकिन मृत्यु के बाद भी किसी के जीवन का कारण बनना हमारे हाथ में है।

भारत की सांस्कृतिक स्मृति में शरीर और जीवन के महान त्याग की परंपरा बहुत पुरानी है। महर्षि दधीचि की कथा इसका सबसे प्रभावशाली उदाहरण है। पौराणिक परंपरा के अनुसार जब देवताओं को असुरों से संघर्ष के लिए ऐसे अस्त्र की आवश्यकता हुई जिसे दधीचि की अस्थियों से बनाया जा सके, तब महर्षि दधीचि ने लोककल्याण के लिए अपना शरीर ही त्याग दिया। उनकी अस्थियों से वज्र बनाया गया और उससे जनकल्याण की रक्षा हुई। यह कथा आधुनिक अर्थों में अंगदान की चिकित्सकीय प्रक्रिया नहीं है, लेकिन अपने शरीर को भी समाज और सृष्टि के कल्याण के लिए समर्पित कर देने की भारतीय त्याग-चेतना का अत्यंत शक्तिशाली प्रतीक अवश्य है। भारत के राष्ट्रपति सचिवालय ने भी अंग एवं देहदान की भारतीय परंपरा को समझाते हुए महर्षि दधीचि के इस प्रसंग का उल्लेख किया है। हमारी परंपरा में राजा शिवि की कथा भी त्याग और जीव-दया की अद्भुत मिसाल है। एक कबूतर की रक्षा के लिए उन्होंने अपने शरीर का मांस तक देने की तत्परता दिखाई। चाहे ये प्रसंग धार्मिक आख्यान हों, लेकिन इनके भीतर छिपा संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है-अपने जीवन और शरीर को केवल अपनी निजी संपत्ति न समझना, बल्कि उसे व्यापक जीवन के कल्याण से जोड़ना। जैन दर्शन का सूत्र "परस्परोपग्रहो जीवानाम्" भी यही बताता है कि जीव एक-दूसरे के उपकार के लिए हैं। अंगदान इस विचार का आधुनिक वैज्ञानिक रूप कहा जा सकता है। यह घटना चिकित्सा इतिहास में एक ऐसी क्रांति की शुरुआत बनी, जिसने आगे चलकर अंग प्रत्यारोपण को लाखों लोगों के लिए जीवन की आशा बना दिया। इसके बाद 1967 में मानव हृदय प्रत्यारोपण की सफलता ने यह सिद्ध कर दिया कि चिकित्सा विज्ञान मनुष्य की मृत्यु और जीवन के बीच खड़ी कई दीवारों को तोड़ सकता है। भारत ने भी इस क्षेत्र में उल्लेखनीय यात्रा की है। देश में पहला सफल किडनी प्रत्यारोपण 1 दिसंबर 1971 को चेन्नई के क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर में हुआ था। उस समय शायद किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी कि एक दिन भारत में हजारों लोगों के लिए अंग प्रत्यारोपण जीवन का नया द्वार बनेगा। आज चिकित्सा तकनीक इतनी आगे बढ़ चुकी है कि किडनी, लिवर, हृदय, फेफड़े, अग्न्याशय और आंत जैसे अंगों के साथ कॉर्निया, त्वचा, हड्डी और हृदय वाल्व जैसे ऊतकों का भी प्रत्यारोपण संभव है। लेकिन विज्ञान की क्षमता जितनी बढ़ी है, हमारी सामाजिक चेतना उस गति से नहीं बढ़ पाई। यही सबसे बड़ी चुनौती है। भारत में आज भी प्रत्यारोपण की आवश्यकता और उपलब्ध अंगों के बीच बड़ा अंतर है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि 2024 में देश में अंग प्रत्यारोपण की गतिविधि व्यापक रही, लेकिन मृतक दाताओं की संख्या अभी भी आवश्यकता की तुलना में बहुत कम है। इसका अर्थ साफ है-हमारे अस्पतालों में तकनीक है, डॉक्टर हैं, सर्जरी की क्षमता है, लेकिन जीवन बचाने के लिए पर्याप्त अंग नहीं हैं। इस स्थिति को बदलने के लिए हमें अंगदान को मृत्यु की चर्चा नहीं, जीवन की चर्चा बनाना होगा। परिवारों में इस विषय पर समय रहते बातचीत होनी चाहिए। स्कूलों, विश्वविद्यालयों, धार्मिक संस्थाओं, सामाजिक संगठनों और मीडिया को मिलकर ऐसी वातावरण-निर्मिति करनी होगी जिसमें अंगदान सुनते ही भय नहीं, बल्कि करुणा और जीवन बचाने का भाव पैदा हो। आज भी अनेक लोग सोचते हैं कि मृत्यु के बाद शरीर को क्षति पहुँचाना धर्म के विरुद्ध है। कुछ लोगों को अगले जन्म की चिंता होती है, कुछ को शरीर के साथ होने वाली चिकित्सा प्रक्रिया का भय होता है और कुछ परिवार अंतिम समय में मानसिक रूप से इतने टूट जाते हैं कि अंगदान का निर्णय नहीं ले पाते। इन भ्रमों का समाधान टकराव से नहीं, संवाद, संवेदना और वैज्ञानिक जानकारी से होगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह समझनी होगी कि अंगदान किसी पर थोपा जाने वाला धार्मिक या सामाजिक कर्तव्य नहीं है। यह एक स्वैच्छिक, नैतिक और मानवीय निर्णय है, जिसे व्यक्ति को विश्वसनीय चिकित्सा एवं कानूनी जानकारी के आधार पर लेना चाहिए। लेकिन यदि कोई व्यक्ति स्वेच्छा से यह संकल्प करता है कि मृत्यु के बाद उसके उपयोगी अंग किसी जरूरतमंद को मिलें, तो वह अपने जीवन की अंतिम घड़ी को भी मानवता के उत्सव में बदल सकता है। भारत में अंगदान की प्रेरक घटनाएँ लगातार सामने आ रही हैं। हाल ही में नागपुर में 52 वर्षीय शिक्षक कोंडबा दत्तात्रेय मडावी मृतक अंगदान करने वाले 200वें दाता बने, उनके अंगों से तीन लोगों को नया जीवन मिला। ऐसी घटनाएँ हमें बताती हैं कि अंगदान कोई दूर की आदर्शवादी कल्पना नहीं, बल्कि हमारे आसपास घटने वाली वास्तविक जीवन-बचाने वाली प्रक्रिया है। दिल्ली में 70 वर्षीय मृत महिला के गुर्दों का सफल उपयोग कर एक 56 वर्षीय महिला को जीवन की नई उम्मीद मिली-यह घटना यह भी बताती है कि केवल उम्र के आधार पर किसी संभावित दाता के अंगों को अनुपयोगी मान लेना उचित नहीं है, अंतिम निर्णय चिकित्सा स्थिति पर निर्भर करता है।

ललित गर्ग

इसी बढ़ती आर्थिक...

सनोज राणा

विश्व बैंक-आईएमएफ को ब्रिक्स की चुनौती

विश्व राजनीति और अर्थव्यवस्था एक नए दौर में प्रवेश कर रही है। बीते कुछ वर्षों में BRICS केवल उभरती अर्थव्यवस्थाओं का समूह नहीं रहा बल्कि वैश्विक आर्थिक शासन में सुधार की मांग करने वाला एक प्रभावशाली मंच बनकर उभरा है। ऐसे समय में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या BRICS विश्व बैंक (World Bank) और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) जैसी संस्थाओं का वास्तविक विकल्प बन सकता है? इसका उत्तर अभी पूरी तरह "हाँ" नहीं है, लेकिन यह अवश्य कहा जा सकता है कि BRICS ने वैश्विक वित्तीय व्यवस्था को नई दिशा देने की मजबूत शुरुआत कर दी है।

विश्व बैंक और IMF की स्थापना द्वितीय विश्व युद्ध के बाद वैश्विक आर्थिक पुनर्निर्माण और वित्तीय स्थिरता के उद्देश्य से हुई थी। पिछले आठ दशकों में इन संस्थाओं ने अनेक देशों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई लेकिन समय के साथ इन पर पश्चिमी देशों, विशेषकर अमेरिका और यूरोप, के अत्यधिक प्रभाव के आरोप भी लगते रहे। विकासशील देशों का मानना है कि इन संस्थाओं में मतदान अधिकारों का वितरण असमान है तथा ऋण देने के साथ

लगाई जाने वाली कठोर शर्तें कई बार उनकी आर्थिक नीतियों और संप्रभुता को प्रभावित करती हैं। यही असंतोष BRICS जैसे वैकल्पिक मंच के उदय का प्रमुख कारण बना। आज BRICS केवल अपने पाँच संस्थापक सदस्यों—ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका—तक सीमित नहीं है। संगठन का विस्तार इसकी बढ़ती वैश्विक स्वीकार्यता का प्रमाण है। अब इसमें मिस्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात भी शामिल हो चुके हैं। नए सदस्यों के जुड़ने से BRICS की जनसंख्या, ऊर्जा संसाधन, बाजार और आर्थिक क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह विस्तार स्पष्ट संकेत देता है कि वैश्विक दक्षिण के अनेक देश पश्चिम-प्रधान वित्तीय व्यवस्था के समानांतर एक अधिक संतुलित और प्रतिनिधिक मंच की तलाश में हैं।

BRICS की आर्थिक शक्ति उसके व्यापारिक प्रदर्शन से भी स्पष्ट होती है। वर्ष 2003 की तुलना में BRICS देशों का वस्तु व्यापार 13 गुना से अधिक बढ़ चुका है। वर्ष 2024 में इन देशों का कुल निर्यात लगभग 1.17 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँच गया। इस वृद्धि में चीन सबसे बड़ा प्रेरक बना हुआ है, जबकि भारत, ब्राज़ील, इंडोनेशिया, रूस और संयुक्त अरब अमीरात ने भी निर्यात और क्षेत्रीय आर्थिक सहयोग को नई गति दी है। ये आँकड़े बताते हैं कि BRICS अब केवल राजनीतिक विमर्श का मंच नहीं, बल्कि वैश्विक व्यापार और निवेश की एक महत्वपूर्ण आर्थिक शक्ति बन चुका है।

इसी बढ़ती आर्थिक क्षमता को संस्थागत रूप देने के लिए वर्ष 2014 में न्यू डेवलपमेंट बैंक की स्थापना की गई। इस बैंक का उद्देश्य विकासशील देशों में आधारभूत संरचना, स्वच्छ ऊर्जा, परिवहन, जल प्रबंधन और सतत विकास से जुड़ी परियोजनाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करना है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसके संस्थापक सदस्यों को अपेक्षाकृत समान निर्णयकारी अधिकार दिए गए हैं। पिछले कुछ वर्षों में NDB ने भारत सहित कई देशों में ऊर्जा, सड़क, रेल और हरित विकास से जुड़ी परियोजनाओं को वित्तपोषित किया है। इससे विकासशील देशों के सामने वित्तीय सहायता का एक नया विकल्प उपलब्ध हुआ है।

इसके साथ ही BRICS ने आकस्मिक आरक्षित व्यवस्था(CRA) के रूप में 100 अरब डॉलर का एक साझा सुरक्षा कोष भी बनाया है। इसका उद्देश्य भुगतान संतुलन या विदेशी मुद्रा संकट की स्थिति में सदस्य देशों को तत्काल वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना है। इसे IMF के विकल्प के रूप में देखा जाता है। हालांकि अब तक इसका वास्तविक उपयोग नहीं हुआ है, इसलिए इसकी प्रभावशीलता की अंतिम परीक्षा अभी शेष है।

उच्च शिक्षा की...

धर्मवीर खरे

प्रदेश के उच्च शिक्षा क्षेत्र में पारदर्शी व्यवस्था, डिजिटल गवर्नेंस और लाखों शिक्षकों के लिए कैशलेस चिकित्सा का प्रावधान

उत्तर प्रदेश में सुशासन, तकनीक आधारित पारदर्शी व्यवस्था और जन-कल्याणकारी योजनाओं को जमीनी स्तर पर उतारने की दिशा में मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उच्च शिक्षा विभाग ने अभूतपूर्व और ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। जहाँ पूर्व में उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रशासनिक प्रक्रियाओं, गुणवत्ता नियंत्रण और कर्मचारियों की सुविधाओं को लेकर जटिलता और विलंब की स्थिति बनी रहती थी, वहीं आज वही व्यवस्था पूरी तरह आधुनिक, पारदर्शी और तकनीक-संचालित हो चुकी है। राज्य का उच्च शिक्षा विभाग न केवल विद्यार्थियों को रोजगारपरक व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करा रहा है, बल्कि शिक्षकों एवं कर्मचारियों के कल्याण हेतु भी ऐतिहासिक निर्णय ले रहा है। मुख्यमंत्री जी का स्पष्ट विजन रहा है कि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के साथ-साथ प्रशासनिक प्रक्रियाओं को पारदर्शी बनाया जाए। इसी सोच को साकार करते हुए उच्च शिक्षा विभाग द्वारा किए गए 7 मुख्य सुधार प्रदेश के लाखों विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं। उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा को सर्वसुलभ बनाने हेतु राज्य में 24 राज्य विश्वविद्यालय, 56 निजी विश्वविद्यालय, 1 डीम्ड विश्वविद्यालय, 1 मुक्त विश्वविद्यालय, 216 राजकीय महाविद्यालय, 330 अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालय एवं 7,526 स्ववित्तपोषित महाविद्यालय सफलतापूर्वक संचालित किए जा रहे हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री जी ने उच्च शिक्षा को बढ़ावा देते हुए प्रदेश में 71 नए राजकीय महाविद्यालयों का गठन एवं पद सृजन किया है।

प्रदेश के दूरदराज के क्षेत्रों तक उच्च शिक्षा पहुँचाने के लिए 71 नए राजकीय महाविद्यालयों में 1,207 शैक्षणिक (प्राचार्य, सहायक आचार्य, प्रवक्ता पुस्तकालय) तथा 142 तृतीय श्रेणी पदों का सृजन किया गया है। इनमें से 46 महाविद्यालयों में सत्र 2025-26 से शैक्षणिक कार्य एवं प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ भी कर दी गई है। उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और सुशासन को सुदृढ़ करने हेतु शासन के आदेश (06 अगस्त, 2025) के अनुक्रम में प्रदेश के अवशेष 10 मण्डलों में नए क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी कार्यालय स्थापित कर अधिकारियों की तैनाती कर दी गई है। उच्च शिक्षण संस्थानों में पठन-पाठन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप संस्थानों का विकास करने के लिए ैस्फ.ब् का गठन किया गया है, जो पूर्ण रूप से क्रियाशील है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का प्रभावी क्रियान्वयन उच्च शिक्षण संस्थानों में किया जा रहा है। छम्च्-2020 के लक्ष्यों की पूर्ति हेतु प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में 'चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम' (ब्ठब्ै), 'मल्टीपल एंट्री-एग्जिट सिस्टम' तथा रोजगारपरक वोकेशनल एवं वैल्यू एडेड पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। डिजिटल गवर्नेंस को बढ़ावा देने हेतु उच्च शिक्षा निदेशालय, प्रयागराज सहित समस्त क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी कार्यालयों एवं राजकीय महाविद्यालयों में पत्रावलियों का संचालन ई-ऑफिस माध्यम से अनिवार्य कर दिया गया है।

जरा हटके

बरेली जनपद में ...

डॉ0 सीमा गुप्ता

हुनर से सम्मान तक: बरेली में कौशल विकास मिशन से संवरता युवाओं का भविष्य

उत्तर प्रदेश सरकार राज्य के युवाओं को स्वावलंबी, दक्ष और वैश्विक मानकों के अनुरूप प्रतिस्पर्धी बनाने के प्रति पूर्णतः कटिबद्ध है। इसी दूरदर्शी सोच के तहत स्थापित 'उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन' ने प्रदेश के आर्थिक और सामाजिक परिदृश्य को एक नई दिशा प्रदान की है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य राज्य के 14 से 35 वर्ष के युवाओं-विशेष रूप से समाज के वंचित, ग्रामीण, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों, महिलाओं तथा दिव्यांगजनों को निशुल्क, उद्योग-संबद्ध और गुणवत्तापूर्ण कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें स्थायी रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ना है।

राज्य सरकार द्वारा विभिन्न विभागों की पृथक योजनाओं को समाहित कर एक पारदर्शी, एकीकृत और प्रभावी ढांचा तैयार किया गया है। इस तंत्र का उद्देश्य शिक्षा बीच में छोड़ने वाले अथवा औपचारिक व्यावसायिक प्रशिक्षण से वंचित युवाओं को आधुनिक तकनीकी कौशल, बुनियादी कंप्यूटर साक्षरता और सॉफ्ट स्किल्स से लैस करना है, ताकि वे प्रदेश को देश का प्रमुख औद्योगिक और कौशल हब बनाने में अपनी सक्रिय भागीदारी दर्ज करा सकें।

इस राज्यस्तरीय दूरदर्शी नीति का अत्यंत व्यावहारिक, सकारात्मक और व्यापक प्रभाव बरेली जनपद में देखने को मिल रहा है। बरेली में जहां कभी आर्थिक मजबूरियां और प्रतिकूल सामाजिक परिस्थितियां बेटियों तथा युवाओं के सपनों की राह में बाधा बन जाती थीं, वहीं आज ये युवा कौशल और आत्मविश्वास के बल पर अपनी अलग पहचान बना रहे हैं।

जिला प्रशासन की देखरेख में संचालित कौशल विकास मिशन ने जनपद की हजारों युवतियों और युवाओं को न केवल रोजगारपरक प्रशिक्षण दिया है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनने का गरिमापूर्ण अवसर भी प्रदान किया है। बरेली जनपद की अनेक बेटियां इस पहल का लाभ उठाकर आज सम्मानजनक जीवन जी रही हैं और समाज के अन्य वर्गों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी हैं।

बरेली जनपद में संचालित कौशल विकास केंद्रों पर हेल्थ केयर, ब्यूटी एंड वेलनेस, फैशन डिजाइनिंग, रिटेल, फूड प्रोसेसिंग, ग्रीन जॉब्स एवं अन्य रोजगारपरक पाठ्यक्रम निशुल्क संचालित किए जा रहे हैं। इन पाठ्यक्रमों ने विशेष रूप से युवतियों को अपने पैरों पर खड़ा होने का मजबूत आधार दिया है। हेल्थ केयर और ब्यूटी एंड वेलनेस जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षणार्थियों की विशेष रुचि यह दर्शाती है कि राज्य की बेटियां अब गैर-पारंपरिक और नए रोजगार क्षेत्रों में भी तेजी से आगे बढ़ रही हैं।

जनपद की अनेक ऐसी कहानियां हैं जो इस नीति की सफलता को प्रमाणित करती हैं। सुभाषनगर निवासी स्वाति वैश्य बचपन से ही आत्मनिर्भर बनना चाहती थीं। विवाह के उपरांत पारिवारिक जिम्मेदारियों के बीच भी उन्होंने अपने सपनों को जीवित रखा और वर्ष 2025 में ब्यूटी एंड वेलनेस का प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण के उपरांत स्वाति ने स्वयं का ब्यूटी पार्लर शुरू किया। आज वह न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत बना रही हैं, बल्कि अन्य जरूरतमंद युवतियों और महिलाओं को निशुल्क प्रशिक्षण देकर उन्हें भी स्वावलंबी बनने के लिए प्रेरित कर रही हैं।

इसी क्रम में रीना की कहानी संघर्ष और सफलता का एक अत्यंत प्रेरक उदाहरण है। 'जनरल ड्यूटी असिस्टेंट' का प्रशिक्षण पूरा करने के उपरांत उन्हें बरेली के एक अस्पताल में रोजगार मिला। पिता के निधन के बाद रीना पर पूरे परिवार की जिम्मेदारी आ गई थी, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। अपने कौशल और मेहनत के दम पर आज वह एक प्रतिष्ठित अस्पताल में कार्यरत हैं और पूरे आत्मविश्वास के साथ अपने परिवार का मुख्य सहारा बनी हुई हैं। इसी प्रकार, नवाबगंज की नीलम कुमारी ने वर्ष 2023 में फैशन डिजाइनिंग का प्रशिक्षण प्राप्त किया। विवाह के पश्चात भी उन्होंने अपने सपनों को रुकने नहीं दिया और प्रशिक्षण से प्राप्त कौशल के बल पर आज वह एक प्रतिष्ठित कंपनी में फैशन डिजाइनर के रूप में सफलतापूर्वक कार्यरत हैं। नीलम कुमारी का मानना है कि कौशल विकास मिशन ने उन्हें न केवल प्रशिक्षण प्रदान किया, बल्कि अपने सपनों को साकार करने का अटूट साहस और आत्मविश्वास भी दिया।

ये सभी उदाहरण सिद्ध करते हैं कि सही दिशा, गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण और अवसर मिलने पर कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। कौशल विकास मिशन की सफलता इसके अभूतपूर्व आंकड़ों, पारदर्शी नीतियों और जमीनी स्तर पर दिखे व्यापक परिवर्तनों में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है। प्रभावी क्रियान्वयन के फलस्वरूप अब तक राज्यभर में 14 लाख से अधिक युवाओं को विभिन्न उभरते एवं पारंपरिक क्षेत्रों में सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया जा चुका है। कौशल संवर्धन के इस व्यापक अभियान के माध्यम से 5.65 लाख से अधिक युवाओं ने प्रत्यक्ष रोजगार तथा स्वरोजगार प्राप्त कर अपनी आजीविका को सशक्त बनाया है। युवाओं को सीधे बाजार और उद्योगों से जोड़ने के लिए प्रदेश भर में लगातार रोजगार मेलों का आयोजन किया जा रहा है। इन रोजगार मेलों के माध्यम से हजारों प्रतिष्ठित निजी एवं औद्योगिक संस्थाओं ने राज्य के कुशल युवाओं को आकर्षक वेतन पैकेज पर नियुक्ति पत्र प्रदान किए हैं। इसके अतिरिक्त, उद्योग जगत की वास्तविक मांगों को ध्यान में रखते हुए 'फ्लेक्सी ट्रेनिंग पार्टनरशिप' (थ्समगप ज्तंपदपदह चंतजदमतेपच) और प्रमुख औद्योगिक घरानों व प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संस्थानों के साथ ऐसे व्यावहारिक समझौते किए गए हैं, जिससे कि प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे शिक्षार्थियों को पाठ्यक्रम पूरा होते ही उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप कार्यस्थल पर तत्काल रोजगार मिल सके। महिला सशक्तिकरण और समावेशी विकास की दिशा में भी इस योजना ने अनुकरणीय मानदंड स्थापित किए हैं। विभिन्न जनपदों में महिलाओं के लिए विशेष रूप से परिधान, हस्तशिल्प, सूचना प्रौद्योगिकी और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों में लक्षित प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए गए हैं। इसी प्रकार, दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए विशेष प्रशिक्षण केंद्रों और दिव्यांगजन रोजगार अभियानों के माध्यम से उन्हें हुनरमंद बनाकर स्वावलंबी बनाया जा रहा है। प्रक्रियात्मक पारदर्शिता, दक्षता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पूरे प्रशासनिक तंत्र का पूर्ण रूप से डिजिटलीकरण किया गया है।

31 जनपदों में महिला नेतृत्व वाला दुग्ध मॉडल, हजारों महिलाएं बनीं 'लखपति दीदी' - केशव प्रसाद मौर्य

'दुग्ध शक्ति' से समृद्ध हो रहीं ग्रामीण महिलाएं

प्रयास

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की पहल एवं कुशल मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण, राष्ट्रीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के लिए निरंतर प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को विभिन्न आजीविका गतिविधियों से जोड़कर उनकी आय में वृद्धि करने तथा उन्हें 'लखपति दीदी' के रूप में स्थापित करने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में प्रदेश में महिला नेतृत्व वाली मिल्क प्रोड्यूसर कंपनियां

ग्रामीण दुग्ध अर्थव्यवस्था में बदलाव की मजबूत धुरी बनकर उभरी हैं। वर्तमान में इन कंपनियों से लगभग 3.25 लाख महिला दुग्ध उत्पादक संगठित रूप से जुड़ी हैं और इनके माध्यम से प्रतिदिन लगभग 12.5 लाख लीटर दूध का संग्रहण किया जा रहा है। यह पहल महिलाओं को केवल दुग्ध उत्पादक के रूप में नहीं, बल्कि संगठित आर्थिक गतिविधियों की सक्रिय भागीदार और उद्यमी के रूप में स्थापित कर रही है।

उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत गठित पांच महिला मिल्क प्रोड्यूसर कंपनियां—बलिनी मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड, काशी मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड, सामर्थ्य मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड, श्री बाबा गोरखनाथ कृपा मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड तथा सृजनी मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड—प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में महिला दुग्ध उत्पादकों को संगठित कर उन्हें बेहतर बाजार, पारदर्शी मूल्य और नियमित आय का आधार उपलब्ध करा रही हैं। बलिनी मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड बुंदेलखंड क्षेत्र के 7 जनपदों के 1,217 गांवों में कार्यरत है और इससे 98,010 महिला किसान जुड़ी हैं। कंपनी द्वारा औसतन 3.20 लाख लीटर दूध प्रतिदिन खरीदा जा

3.25 लाख महिला दुग्ध उत्पादक बनीं ग्रामीण अर्थव्यवस्था की ताकत

7 जनपदों के 1,555 गांवों में संचालित

सामर्थ्य मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड मध्य क्षेत्र के 7 जनपदों के 1,555 गांवों में संचालित है। इससे 1,12,508 महिला किसान जुड़ी हैं और लगभग 3.75 लाख लीटर दूध प्रतिदिन खरीदा जा रहा है। कंपनी का अब तक लगभग 1,783.80 करोड़ रुपये का कारोबार रहा है तथा कंपनी ने लगभग 43.60 करोड़ रुपये का लाभ अर्जित किया है। कंपनी से जुड़ी लगभग 32,848 महिलाएं 'लखपति दीदी' बन चुकी हैं। श्री बाबा गोरखनाथ कृपा मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड गोरखपुर क्षेत्र के 4 जनपदों के 1,087 गांवों में कार्यरत है। कंपनी से 66,057 महिला किसान जुड़ी हैं और लगभग 1.55 लाख लीटर दूध प्रतिदिन खरीदा जा रहा है।

"काशी मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड पूर्वांचल क्षेत्र के 7 जनपदों के 1,014 गांवों में कार्यरत है। कंपनी से 49,317 महिला किसान जुड़ी हैं और लगभग 2 लाख लीटर दूध प्रतिदिन खरीदा जा रहा है। कंपनी ने अब तक लगभग 749.80 करोड़ रुपये का कारोबार किया है तथा लगभग 21.77 करोड़ रुपये का लाभ अर्जित किया है। कंपनी से जुड़ी लगभग 11,715 महिलाएं 'लखपति दीदी' बन चुकी हैं।"

स्थापना से अब तक कंपनी ने लगभग 2,447 करोड़ रुपये का कारोबार किया है तथा लगभग 53.43 करोड़ रुपये का लाभ अर्जित किया है।

यूपी में पानी और जमीन पर दौड़ने वाला 'हनुमान रथ'

कीमत- 3 करोड़, अंधेरे में देखने वाले कैमरे

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । यूपी में पहली बार बाढ़ में फंसे लोगों को बचाने के लिए 'SHERP' रेस्क्यू व्हीकल का इस्तेमाल होगा। कई खूबियों से लैस यह गाड़ी 360 डिग्री पर घूम जाती है। जमीन पर 40 किमी की रफ्तार से दौड़ सकती है। 5 किमी की रफ्तार से पानी पर चलती है।

लगातार 40 घंटे तक बाढ़ में फंसे लोगों को बचाकर सुरक्षित जगह तक पहुंचा सकती है। इसको इस तरह से डिजाइन किया गया है कि एक बार में यह 8 से 9 लोगों को सुरक्षित जगह तक पहुंचा सके। 3 करोड़ कीमत की यह गाड़ी भाजपा विधायक प्रतीक भूषण सिंह ने गोंडा जिला प्रशासन को दी है। इसका नाम 'हनुमान रथ' रखा गया है।

SHERP एक खास ऑल-टेरेन रेस्क्यू गाड़ी है। इसे ऐसे मुश्किल इलाकों में चलने के लिए बनाया

गया है, जहां सामान्य गाड़ियां, ट्रैक्टर और नाव काम नहीं आतीं। बाढ़ के समय नाव सिर्फ गहरे पानी में चल सकती है। तेज बहाव, जलकुंभी या उथले पानी में फंस सकती है। वहीं, ट्रैक्टर और भारी वाहन कीचड़ या गहरे पानी में धंस जाते हैं।

SHERP की खासियत है कि यह जमीन से सीधे पानी और फिर पानी से कीचड़ या दलदल में जा सकता है। यानी रास्ते में जमीन, पानी या दलदल बदलने पर भी इसे रोकने की जरूरत नहीं पड़ती।

फास्ट न्यूज

शादी के 6 महीने बाद नवविवाहिता की मौत

मलिहाबाद । लखनऊ के रहीमाबाद थाना क्षेत्र के अंहिंडर गांव में बुधवार सुबह करीब 10 बजे 24 वर्षीय नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। महिला का शव घर के कमरे में फांसी के फंदे से लटका मिला। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार, ग्राम अंहिंडर निवासी सीताराम उर्फ गोलू की पत्नी नीलम बुधवार को घर पर थीं।

दोस्तों के साथ निकले लड़के का गोमती में शव मिला

बख्शी का तालाब। लखनऊ में सैरपुर के वीरमपुर गांव निवासी 25 वर्षीय राज शव 10 अगस्त को गोमती नदी के रिंग रोड ब्रिज के पास पानी में उतराता मिला था। राज शनिवार शाम तीन दोस्तों के साथ घर से निकला था। इसके बाद से उसका कोई पता नहीं था। शव मिलने के बाद परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है।

मृतक के पिता कुंज बिहारी का आरोप है कि अजीत, विवेक और हंसराज ने पहले राज को शराब पिलाई। इसके बाद कई लोगों के साथ मिलकर उसकी पिटाई की, जिससे उसकी मौत हो गई।

नकली दवाओं के नेटवर्क का पर्दाफाश

लखनऊ। लखनऊ में नकली दवाओं को बाजार में खपाने के कथित नेटवर्क का FSDA ने खुलासा किया है। जांच में फर्जी बिल और कागजी खरीद-बिक्री के जरिए करोड़ों रुपए की दवाओं का लेनदेन सामने आया है। अमीनाबाद की तीन फर्मों और सहारनपुर की बंद फर्म के संचालकों समेत चार लोगों पर FIR दर्ज की गई है। एक फर्म ने 8.87 करोड़ रुपए की दवाओं की खरीद दिखाई, जबकि संबंधित निर्माताओं ने बिक्री से ही इनकार कर दिया।

योगी सरकार में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को नई रफ्तार

पूर्वांचल-मध्यांचल बन रहे निवेश के नए पावर सेंटर

तमसा संकेत, संवाददाता

- वरुण बेवरेजेस, अमूल, आईटीसी, बालाजी वेफर्स और हल्दीराम जैसे बड़े ब्रांड्स ने यूपी पर जताया भरोसा
- योगी सरकार की निवेश-अनुकूल नीतियों से जिलों तक पहुंच रहा औद्योगिक विस्तार, किसानों और युवाओं के लिए खुल रहे नए अवसर

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश अब केवल देश का बड़ा कृषि उत्पादक राज्य ही नहीं, बल्कि कृषि उत्पादों की प्रोसेसिंग और वैल्यू एडिशन का भी बड़ा केंद्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। योगी सरकार की निवेश-अनुकूल नीतियों और औद्योगिक विकास को प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों तक पहुंचाने की रणनीति का असर खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में दिखाई दे रहा है। प्रदेश में 40 खाद्य प्रसंस्करण परियोजनाओं को लेटर ऑफ कम्फर्ट (एलओसी) जारी किए गए हैं। इनमें पूर्वांचल और मध्यांचल की 21 से अधिक परियोजनाएं शामिल हैं। खास बात यह है कि निवेश अब चुनिंदा औद्योगिक क्षेत्रों तक सीमित नहीं है। प्रयागराज, वाराणसी, गोरखपुर, अयोध्या, अमेठी और देवरिया से लेकर हरदोई, सीतापुर और कानपुर देहात तक बड़े निवेशक अपनी परियोजनाएं स्थापित और विस्तारित कर रहे हैं। इससे पूर्वी और मध्य उत्तर प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण, पेय पदार्थ, डेयरी और कृषि आधारित विनिर्माण का नया औद्योगिक नेटवर्क आकार ले रहा है। पूर्वांचल में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र से जुड़ी 10 परियोजनाएं सामने आई हैं।

योगी सरकार का भूमाफियाओं पर प्रहार

एंटी भूमाफिया पोर्टल से ऑनलाइन शिकायतों की निगरानी, 99 प्रतिशत का हुआ निस्तारण

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सार्वजनिक संपत्तियों पर अवैध कब्जों के खिलाफ योगी सरकार का एंटी भूमाफिया अभियान लगातार चर्चा में रहा है। राजस्व विभाग के मुताबिक सख्त कार्रवाई और विभिन्न अभियान के तहत बीते साढ़े नौ साल में प्रदेश में 84,005 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल को अवैध अतिक्रमण से मुक्त कराया गया है। यह क्षेत्रफल लगभग 2.08 लाख एकड़ के बराबर है। भूमि को अवैध कब्जों से मुक्त कराने के साथ शिकायतों के निस्तारण, मुकदमों की पैरवी और चिह्नित भूमाफियाओं के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई ने इस अभियान को और व्यापक रूप दिया। बीते वर्षों में इन कार्रवाइयों ने भूमाफियों के खिलाफ योगी सरकार ने अपनी मंशा साफ जाहिर की है।

राज्य में एंटी भू-माफिया पोर्टल पर

2 लाख एकड़ से अधिक भूमि अतिक्रमणमुक्त

उत्तर प्रदेश में एंटी भूमाफिया अभियान की सबसे बड़ी उपलब्धियों में 84,005 हेक्टेयर से अधिक भूमि को अवैध अतिक्रमण से मुक्त कराया जाना है। इससे प्रदेश के विकास को रफ्तार देने के लिए लगभग 2.08 लाख एकड़ जमीन उपलब्ध हो गई है। इसमें बड़े स्तर पर सरकारी लैंडबैंक भी शामिल है, जिसका इस्तेमाल विभिन्न विकास योजनाओं के लिए किया जाना संभव होगा।

अवैध कब्जे से संबंधित कुल 4,34,016 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें से 4,31,697 शिकायतों यानी 99 प्रतिशत से अधिक का निस्तारण किया जा चुका है। वहीं 2,319 शिकायतें निस्तारण के लिए लंबित हैं। योगी सरकार में विभान ने अभियान के जरिए सिर्फ जमीन को कब्जामुक्त कराने पर ही जोर नहीं दिया गया, बल्कि शिकायतों को ऑनलाइन दर्ज करने से लेकर उनके निस्तारण तक निगरानी की व्यवस्था भी बनाई गई है। इससे कार्रवाई की स्थिति को लगातार ट्रैक करने का तंत्र विकसित हुआ। एंटी भू-माफिया पोर्टल अभियान की निगरानी का महत्वपूर्ण माध्यम बना है। अवैध कब्जों के मामलों में प्रशासनिक कार्रवाई के साथ कानूनी कार्रवाई को भी आगे बढ़ाया गया। गत वर्षों में अभियानों के तहत 25,068 राजस्व वाद, 1,168 सिविल वाद और 4,751 एफआईआर दर्ज कराई गईं।

जमीन कब्जा करने वालों पर चौतरफा कार्रवाई, मुकदमे दर्ज करने के साथ जेल भी भेजा

यूपी में नहीं रुकेगा विकास, राजस्व विभाग की सख्त कार्रवाई से उपलब्ध हो रहा बड़ा 'लैंडबैंक'

कब्जामुक्त जमीनों के जरिए प्रदेश में उद्योगों से लेकर रोजगार सृजित करने में मिलेगी बड़ी मदद

चार स्तरों पर गठित टास्क फोर्स के जरिए कार्रवाई

राजस्व विभाग के अधिकारियों के मुताबिक प्रदेश में सार्वजनिक संपत्तियों पर हुए अवैध कब्जों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के लिए चार स्तरीय - राज्य, मंडल, जनपद और तहसील स्तर पर एंटी भू-माफिया टास्क फोर्स का गठन किया गया। इसका उद्देश्य अवैध कब्जों की पहचान से लेकर उनके खिलाफ कार्रवाई और जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराने तक की प्रक्रिया को व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ाना है। इसके तहत अवैध कब्जों से संबंधित शिकायतों को ऑनलाइन दर्ज कराने और की गई कार्रवाई की प्रभावी निगरानी के लिए एंटी भू-माफिया पोर्टल विकसित किया गया।

राज्य हज इंस्पेक्टर की तैनाती हेतु आनलाइन आवेदन

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। हज कमेटी ऑफ इण्डिया, मुम्बई द्वारा सऊदी अरब में हज 2027 के दौरान यात्रियों के सहयोगार्थ/सुविधार्थ राज्य हज इंस्पेक्टर की तैनाती हेतु आनलाइन आवेदन निम्न शर्तों के अधीन आमंत्रित किये गये हैः-

सभी मुस्लिम पुरुष और महिलाएं जिनकी शैक्षिक योग्यता मान्यता प्राप्त संस्था से स्नातक हो तथा केन्द्र/राज्य सरकार के स्थायी सरकारी कर्मचारी हों, जिनकी आयु दिनांक 13.08.2026 को 50 वर्ष के भीतर हो, को ऑनलाइन आवेदन 13 अगस्त, 2026 से 27 अगस्त, 2026 तक हज कमेटी ऑफ इण्डिया, मुम्बई की वेबसाइट https://hajcommittee.gov.in पर करना होगा तथा सभी आवश्यक निर्धारित प्रपत्र अपलोड भी किये जाएंगे। जिन आवेदकों को अंग्रेज़ी, उर्दू, हिन्दी, स्थानीय भाषा व अरबी भाषा बोलने का ज्ञान होगा, उन्हें वरीयता दी जायेगी। ऑफलाइन आवेदन स्वीकार्य नही किया जायेगा। आवेदक मानसिक एवं शारीरिक रुप से पूर्णतः स्वस्थ हो। कम्प्यूटर में निपुण हो, हज सुविधा एप से पूर्णतः भिज्ञ हो। आवेदक को हज के अराकान का समुचित ज्ञान होना आवश्यक है। बड़ी सभाओं को प्रभावी ढंग से संबोधित करने और मार्गदर्शन करने की क्षमता होनी चाहिए। आवेदक के प्रति गत वर्षों में कॉंसल जनरल ऑफ इण्डिया/हज कमेटी ऑफ इण्डिया, मुम्बई या राज्य हज समिति से प्रतिकूल रिपोर्ट होगी, उनके चयन पर विचार नही किया जायेगा। आवेदक केन्द्र/राज्य सरकार, केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस फोर्स/अर्द्धसैनिक बल/संवैधानिक संस्था व केन्द्र/राज्य सरकार के अधीन पब्लिक सेक्टर अण्डटरेकिंग का होना आवश्यक है। केन्द्र व राज्य सरकार में ग्रुप-ए/क्लास-1 या सातवें वेतन आयोग के आधार पर पे-लेवेल-10 या उससे अधिक या राज्य सरकार में इसके समकक्ष पद के अधिकारी/कर्मचारी आवेदन के पात्र नही होंगे।

गोसंरक्षण पशु टीकाकरण और दुग्ध विकास योजनाओं में तेजी लाएं

गौशालाओं में हरा चारा, टीकाकरण और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में व्यवस्थाएं पूरी रहें

- स्थानीय स्तर पर समन्वय बनाकर आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करे
- प्रत्येक गांव में गठित हो दुग्ध समिति, पराग उत्पादों की प्रभावी मार्केटिंग पर दें विशेष जोर

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री श्री धर्म पाल सिंह ने आज विधान भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में गो संरक्षण एवं हरा चारा, संचारी रोगों से बचाव के लिए चल रहे टीकाकरण अभियान तथा दुग्ध समितियों के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गोसंरक्षण, पशु स्वास्थ्य एवं दुग्ध

विकास से जुड़ी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। पशुधन मंत्री ने निर्देश दिए कि 30 अगस्त, 2026 तक प्रदेश की सभी गौशालाओं की मंडलवार समीक्षा पूरी कर उसकी रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। उन्होंने कहा कि गौशालाओं का प्रबंधन व्यवस्थित एवं प्रभावी तरीके से किया जाए तथा गोवंश के लिए चारा, पेयजल, स्वास्थ्य एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं लगातार सुनिश्चित रहें। उन्होंने किसानों के साथ हरा चारा उपलब्ध कराने के लिए अनुबंध करने के निर्देश देते हुए कहा कि इससे गौशालाओं में हरे चारे की नियमित उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ किसानों को भी लाभ मिलेगा। धर्मपाल सिंह ने संचारी रोगों से बचाव के लिए चल रहे टीकाकरण अभियान की भी समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि 30 अगस्त तक टीकाकरण का कार्य कम से कम 70 प्रतिशत पूरा कर लिया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि टीकाकरण अभियान की नियमित निगरानी की जाए और लक्षित पशुओं का शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित करने की दिशा में तेजी से कार्य किया जाए।

कार्यालय नगरपालिका परिषद अकबरपुर-अम्बेडकरनगर

संख्याः-2153/न०पा०प०अ०/2026-27 (सेफ सिटी) दिनांकः-12.08.2026

ई-निविदा सूचना

नगर पालिका परिषद अकबरपुर-अम्बेडकरनगर के द्वारा स्वायत्त निकाय/पब्लिक सेक्टर विभाग/राज्य सरकार/केन्द्र सरकार/अन्य सरकारी विभाग में A/B/C/D/E श्रेणी (जैसा लागू हो) में कार्य की लागत के सीमा के अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर सेफ सिटी परियोजना के क्रियान्वयन हेतु सी०सी०टी०वी० कैमरा का अधिष्ठापन एवं कन्ट्रोल रूम के स्थापना का कार्य के लिए निविदा आमंत्रित की जाती है। निर्धारित तिथि को अवकाश होने की दशा में उक्त निविदा अगले कार्य दिवस में खोली जायेगी।

1. कार्य का विवरण वेबसाइटः-https://www.etender.up.nic.in पर लॉगइन कर देखा जा सकता हैं।
2. वेबसाइट पर बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता की तिथि-13.08.2026 से 03.09.2026 तक।
3. ई-निविदा के माध्यम से निविदा प्राप्ति के लिए अन्तिम तिथि / समय दिनांक-03.09.2026 को दोपहर 12:00 बजे तक।
4. ई-निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि / समय दिनांक-03.09.2026 को अपरान्ह 03:00 बजे तक।
5. निविदा आमंत्रणकर्ता को आई०टी०बी० के क्लॉज-9 के अनुसार परिशिष्ट / शुद्धिपत्र जारी करने का अधिकार है, जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जायेगा। सभी संभावित निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि वह नियमित रूप से ई-निविदा पोर्टल की निगरानी रखें।
6. अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइटhttps://www.etender.up.nic.in पर लॉगइन करें तथा बिड डाक्यूमेंट को डाउनलोड करें।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, टाण्डा
अम्बेडकरनगर

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद, टाण्डा
अम्बेडकरनगर

मौत, शादी से इनकार पर वारदात, बुलंदशहर में गुस्साए परिजनों ने नेशनल हाईवे जाम किया

शादीशुदा प्रेमिका को घर बुलाकर 17 चाकू मारे

जांच

तमसा संकेत, एजेंसी

बुलंदशहर । बुलंदशहर में 42 साल के प्रेमी ने 38 साल की प्रेमिका की हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने महिला के सीने, गले और चेहरे पर चाकू से 17 वार किए। पुलिस पहुंची तो आरोपी प्रेमिका के शव के पास चुपचाप बैठा मिला। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी शादीशुदा प्रेमिका पर शादी का दबाव बना रहा था, लेकिन वह इसके लिए राजी नहीं थी। मंगलवार रात 10 बजे आरोपी ने उसे अपने घर बुलाया और अपने परिवार को छोड़कर शादी करने का दबाव बनाने लगा। प्रेमिका नहीं मानी तो नाराज होकर वारदात को अंजाम दिया। पोस्टमॉर्टम के बाद शव मिलने पर घर वालों ने दिल्ली-अलीगढ़ नेशनल हाईवे पर जाम लगा दिया। परिजन आरोपी के एनकाउंटर की मांग पर अड़े हैं। आधे घंटे से अधिकारी समझाने की कोशिश कर रहे हैं। घटना जिला मुख्यालय से 25 किमी. दूर खुर्जा नगर कोतवाली क्षेत्र की है। महिला के पति पंकज उर्फ भंते ने बताया- मैं मंगलवार को काम पर गया था। रात 11:30 बजे जब काम करके लौटा तो पत्नी घर पर नहीं मिली। बच्चों ने बताया कि वह अजीत अंकल के घर गई है। मैं अजीत के घर पहुंचा तो पता चला कि उसने मेरी पत्नी की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। मेरी पुलिस से अपील है कि अजीत के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए।

घर से 200 मीटर दूर रहता था प्रेमी

दिल्ली के प्रेमनगर की रहने वाली बेबी की 15 साल पहले बुलंदशहर के पंकज से शादी हुई थी। दोनों के दो बेटे और दो बेटियां हैं। उनकी उम्र 8 से 13 साल के बीच है। सभी शिवलोक कॉलोनी में रहते हैं। घर से 200 मीटर दूर आरोपी प्रेमी अजीत ठेकेदार (42) किराए के कमरे में रहता है। वह मूल रूप से नेहरूपुर गांव का रहने वाला है। खुर्जा में बर्तन बनाने वाली फैक्ट्री में काम करता है।

शादी का दबाव बनाया तो प्रेमिका ने बात बंद कर दी

पुलिस के मुताबिक, अजीत बेबी से शादी करना चाहता था, लेकिन बेबी तैयार नहीं थी। धीरे-धीरे बेबी ने उससे दूरियां बना लीं। अजीत से फोन पर बात करना और मिलना-जुलना बंद कर दिया। इससे नाराज अजीत ने हत्या का प्लान बनाया। पड़ोसियों ने बताया- मंगलवार रात अजीत के कमरे से शोर-शराबे की आवाज आ रही थी। इसके बाद हम लोगों ने पुलिस को सूचना दे दी। थोड़ी देर बाद पुलिस पहुंची और दरवाजा खुलवाया। बेबी की लाश फर्श पर पड़ी थी। अजीत बगल में बैठा था। फर्श पर खून ही खून फैला था। पुलिस बेबी को अस्पताल ले जा रही थी, लेकिन रास्ते में उसकी मौत हो गई।

आरोपी के एनकाउंटर की मांग को लेकर परिजनों ने हाईवे पर जाम लगा दिया। अधिकारी समझाने में जुटे रहे।

तुम्हारी पिटाई नहीं सह सकती लिख पत्नी फंदे से लटकी

हाथरस की महिला पति संग गुजरात में रहती थी

तमसा संकेत, एजेंसी

हाथरस। हाथरस की रहने वाली एक महिला ने पति से परेशान होकर गुजरात के बडोदरा में फंदे से लटक गई। मरने से पहले उसने अपनी 8 महीने की बेटी को पड़ोसी को दे दिया। उसके बाद अपने बाएं पैर पर लिखा- मैं इस दुनिया से जा रही हूं, अब तुम अपने परिवार को खुश रखना। मैं तुम्हारी पिटाई को और सहन नहीं कर सकती।

बेटी के रोने पर पड़ोसी महिला के घर पहुंचा। वहां उसने दुपट्टे के सहारे महिला का लटका हुआ शव देखा। पड़ोसी ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने बडोदरा के सायजी अस्पताल में शव का पोस्टमॉर्टम कराया। मामला 9 अगस्त का है, लेकिन बुधवार दोपहर 2 बजे सामने आया।

महिला का शादी 3 साल पहले हुई थी। वह पति के साथ वडोदरा में रहती थी। मूलरूप से हाथरस का

रहने वाला सुधीर कुमार बडोदरा में रिलायंस में इंजीनियर के पद पर काम करता है। 22 जून, 2023 को सुधीर की शादी सीमा (24) से हुई थी। सीमा पति के साथ बडोदरा के उंडेरा स्थित रिलायंस टाउनशिप में ही रहती थी।

9 अगस्त की सुबह सुधीर अपना फोन ठीक करवाने के लिए निकला। इसी दौरान सीमा ने अपनी 8 महीने की बेटी को ऊपरी मंजिल पर रहने वाले एक किराएदार को दे दिया। उसके बाद अपने कमरे में आई और फंदे से लटक गई।

जब सुधीर घर लौटा, तब तक वहां भीड़ लग चुकी थी। मौके पर पुलिस भी मौजूद थी।

फास्ट न्यूज

शराब कारोबारी के ठिकानों पर इनकम टैक्स का सर्वे

कानपुर। कानपुर में कर चोरी की आशंका में आयकर विभाग की टीमों ने बुधवार को राजस्थान लिकर कंपनी के सात ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। कार्रवाई रनिया स्थित दो यूनिटों के अलावा नवाबगंज, वीआईपी रोड, स्वरूप नगर, फजलगंज, शास्त्री नगर और माल रोड स्थित कार्यालयों में की गई। शराब कारोबारी तिलक राज शर्मा के नवाबगंज स्थित आवास और वीआईपी रोड के ऑफिस मे आयकर विभाग की टीमें दोपहर करीब 1 बजे से ही संबंधित परिसरों में जांच में जुटी रहीं।

बेटे को स्कूल छोड़कर लौट रहे व्यक्ति पर हमला

गोरखपुर। गोरखपुर में रुपए के लेन-देन में मारपीट का एक मामला सामने आया है। पीड़ित नंदलाल जायसवाल ने आरोप लगाते हुए बताया कि सुबह 8:30 के करीब अपने बेटे को स्कूल छोड़ कर लौट रहे थे। तभी घर से कुछ दूर पहले ही 5 से 6 लोगों ने उनपर हमला कर दिया। हॉकी, डंडे और रॉड से बुरी तरह पीटा और भाग गए। इस हमले में उन्हें सिर, हाथ-पैर और अन्य जगहों पर गंभीर चोटें लगी। सूचना पर पहुंची रामगढ़ ताल थाने की पुलिस ने घायल को जिला अस्पताल पहुंचाया। पीड़ित नंदलाल जायसवाल ने बताया कि बुधवार की सुबह 8: 30 के करीब घर से कुछ दूर पहले ही 5 से 6 लोगों ने उनपर हमला कर दिया।

बीएचयू में पुलिस और एबीवीपी कार्यकर्ताओं में धक्का मुक्की

वाराणसी। झारखंड लोक सेवा आयोग और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और घोटालों के विरोध में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के छात्रों ने बुधवार को काशी हिंदू विश्वविद्यालय परिसर में प्रदर्शन किया। छात्रों ने विश्वविद्यालय के MMV चौराहे से मुख्य द्वार की ओर जुलूस निकाला और झारखंड सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

'मैम स्कूल में बच्चे का डायपर बदलवाती हैं'

छात्राएं बोलीं- चुड़ैल कहकर अपने पैर धुलवाए

तमसा संकेत, एजेंसी

शाहजहांपुर । शाहजहांपुर के स्कूल में छात्राओं से टीचर के बच्चे का डायपर बदलवाने का मामला सामने आया है। छात्राओं का बुधवार को वीडियो भी सामने आया। इसमें बच्चियां कहती दिख रहीं कि मैडम अपने बच्चे का डायपर बदलवाने के साथ स्कूल में झाड़ू लगवाती हैं। वह अपने पैर धुलवाती-दबवाती हैं।

वहीं, जब छात्राओं के घरवालों ने स्कूल में शिकायत की तो टीचर घर पहुंचकर धमकाने लगीं। परिजनों ने मामले में पुलिस को शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। बीएसए जयशंकर श्रीवास्तव ने भी जांच के बाद कार्रवाई की बात कही है। मामला तिलहर के खनपुरा प्राथमिक विद्यालय का है।

नजरपुर गांव के रहने वाले वकील संतोष कुमार ने बताया, मेरी

3 भतीजियां खनपुरा प्राथमिक विद्यालय में क्लास- 4 में पढ़ती हैं। स्कूल की सहायक अध्यापिका प्रिया सिंह बच्चियों से सिर के जुएं दिखवाती हैं। विद्यालय में झाड़ लगवाती हैं। अपने बच्चे को खिलाने के साथ उसका गंदा डायपर भी बदलवाती हैं।

बच्चियों से गंदा कच्छा सुखाने के लिए डलवाया जाता है। इसके अलावा टीचर उनसे अपने पैर धुलवाती और दबवाती हैं। यह सब कई दिनों से चल रहा है। लेकिन अभी तक बच्चियों ने डर के कारण किसी को कुछ नहीं बताया था।

आजम को जमीन पर लिटाया जा रहा : शिवपाल

उन्हें बहुत तकलीफ, हर जुल्म का बदला लेंगे, रामपुर जेल में 1 घंटे तक हुई बातचीत

तमसा संकेत, एजेंसी

रामपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव ने बुधवार को रामपुर जिला जेल में आजम खान से मुलाकात की। जेल में बंद पूर्व मंत्री आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला से उन्होंने करीब एक घंटे तक बातचीत की।

शिवपाल इसके बाद आजम खान के घर पहुंचे। यहां उन्होंने उनकी पत्नी पूर्व सांसद तंजीन फातिमा और बड़े बेटे अदीब आजम से मुलाकात की। इसके बाद वह जौहर यूनिवर्सिटी पहुंचे, जहां विश्वविद्यालय प्रशासन के अधिकारियों के साथ बैठक की।

शिवपाल यादव ने कहा, "आजम खान के साथ बहुत जुल्म हुए हैं। सरकार बनने पर जिन्होंने जुल्म किया है, उन पर कार्रवाई करेंगे। आजम खान पर हुए जुल्म का बदला लेंगे। वह बहुत तकलीफ में हैं। इतने बड़े लीडर को जमीन पर लिटाया जा रहा है। उन्हें न दवाई दी जा रही है और न कपड़े दिए जा रहे हैं।"उन्होंने बताया, "जेल से आजम खान ने संदेश भेजा है कि पूरे उत्तर प्रदेश में जाइए और 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाइए। दौरा करिए। अखिलेश यादव से भी कहिएगा कि दौरा करें। सरकार बनाना ही मुख्य लक्ष्य है।" शिवपाल यादव बुधवार सुबह करीब 10:30 बजे जिला कारागार पहुंचे थे। जेल के बाहर सपाइयों ने उनका जोरदार स्वागत किया। जौहर यूनिवर्सिटी

जिला कारागार के सामने सपा कार्यकर्ताओं ने शिवपाल यादव का जोरदार स्वागत किया।

जौहर विवि में जिस अधिकारी ने गलत किया उसे जेल भेजा जाएगा

शिवपाल यादव ने कहा, "जौहर विश्वविद्यालय के मामले में जिस अधिकारी ने गलत काम किया है, चाहे वह PWD गेस्ट हाउस का मामला हो या किसी अन्य मामले में हुई अनियमितता, सरकार बदलने के बाद ऐसे अधिकारियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाएगी और उन्हें जेल भेजा जाएगा।" शिवपाल यादव ने कहा, "आजम खान के साथ इतना जुल्म और शोषण हुआ है, फिर भी उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। इतना कुछ होने के बावजूद वह मजबूती से खड़े हैं। पूरी समाजवादी पार्टी उनके साथ है, हम उनके साथ हैं।"

सबसे पहले शिवपाल यादव जिला कारागार में आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला से मिलने पहुंचे।

आजम खान और शिवपाल यादव के बीच चुनाव सहित कई मुद्दों पर बातचीत हुई शिवपाल सिंह यादव ने बताया- आजम खान ने बस यही कहा कि 2027 में सरकार बनाइए। दौरा करिए। अखिलेश से भी कहिएगा, दौरा करेंगे और सरकार बनाएं। सरकार बनाना मुख्य लक्ष्य है।

बदायूं में भीड़ ने स्कॉर्पियो से खींचकर थप्पड़-घूसे मारे, कपड़े फाड़े गाड़ी तोड़ी

गाय को टक्कर मारने पर सरकारी डॉक्टर को पीटा

तमसा संकेत, एजेंसी

बदायूं । बदायूं में मंगलवार दोपहर 2 बजे सरकारी डॉक्टर की स्कॉर्पियो की टक्कर से एक गाय घायल हो गई। हादसे के बाद मौके पर जुटी भीड़ आक्रोशित हो गई। लोगों ने स्कॉर्पियो चला रहे डॉक्टर को गाड़ी से बाहर खींचकर पीटना शुरू कर दिया। उसको जमकर थप्पड़ और घूसे मारे। डॉक्टर के कपड़े फाड़ दिए। वह हाथ जोड़कर माफी मांगता रहा। इस दौरान भीड़ ने डॉक्टर की गाड़ी में भी तोड़फोड़ की। बरेली में रहने वाले डॉ. राहुल सिद्धार्थ उसावां कस्बे की CHC में एमओआईसी (प्रभारी चिकित्सा अधिकारी) हैं। वह मई से मेडिकल लीव पर चल रहे थे। आज ही ड्यूटी पर लौटे थे। विभागीय प्रक्रिया के तहत सीएमओ के सामने उपस्थित होकर उन्होंने जॉइनिंग प्रक्रिया शुरू की थी। डॉक्टर सिद्धार्थ मंगलवार दोपहर अपनी स्कॉर्पियो से फर्रुखाबाद की ओर जा रहे थे। दोपहर करीब 2 बजे म्याऊं कस्बे के पास अचानक गाड़ी के सामने एक गाय आ गई। डॉक्टर की गाड़ी गाय से टकरा गई। इसमें गाय को काफी चोट लग गई।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। लेकिन, पुलिस की मौजूदगी में भी कुछ लोग डॉक्टर के साथ खींचतान करते रहे। पुलिस-कर्मियों ने किसी तरह उन्हें भीड़ से बचाकर अपने साथ लिया।

अलापुर एसएचओ माधव सिंह बिष्ट ने बताया कि अभी तक कोई शिकायत नहीं मिली है। डॉक्टर से बातचीत की जा रही है। वहीं, सीएमओ डॉ. विकास शर्मा ने बताया कि डॉ. राहुल सिद्धार्थ पहले एमओआईसी के पद पर तैनात थे। पिछले कुछ महीनों से मेडिकल लीव पर चल रहे हैं।

पुलिस मौके पर पहुंची और डॉक्टर को भीड़ से छुड़ाकर अपनी गाड़ी से थाने ले गई। डॉक्टर की स्कॉर्पियो को भी थाने में खड़ा करा दिया गया। इस पिटाई का वीडियो भी सामने आया है। इसमें लोग डॉक्टर से मारपीट करते दिख रहे हैं। मामला अलापुर थाना क्षेत्र के मुरादाबाद-फर्रुखाबाद हाईवे का है।

ईंट-डंडे मारकर गाड़ी के शीशे तोड़े

हादसा होते ही मौके पर भीड़ लग गई। गाय के मुंह से खून बह रहा था। वह दर्द से कराह रही थी। यह देखकर लोग आगबबूला हो गए। देखते ही देखते भीड़ उग्र हो गई और डॉक्टर को गाड़ी से खींचकर पीटना शुरू कर दिया।

डॉक्टर हाथ जोड़कर माफी मांगता रहा, लेकिन लोग नहीं रुके और डॉक्टर को पीटते रहे। लोगों ने उनकी स्कॉर्पियो में भी तोड़फोड़ की। ईंट और डंडे मारकर गाड़ी के शीशे तोड़ दिए।

सलहज की संदूक में मिला प्रेमी जीजा

आधी रात ससुराल पहुंचा, फुसफुसाने की आवाज से पोल खुली, पत्नी पीटते हुए घर ले गई

तमसा संकेत, एजेंसी

जालौन । यूपी के जालौन में सलहज की संदूक में प्रेमी जीजा बंद मिला। मंगलवार रात 11 बजे जीजा 1,000 किमी दूर अहमदाबाद से सीधे अपनी ससुराल पहुंचा। वहां चुपके से सलहज के कमरे में घुस गया। कुछ देर बाद घरवालों को कमरे से फुसफुसाने की आवाज सुनाई दी, तो उन्हें शक हो गया।

घरवालों ने दरवाजा खुलवाया और कमरे की तलाशी ली। संदूक खोला, तो उसके अंदर से 45 साल का प्रेमी जीजा छिपा मिला। सलहज के घरवालों ने उसे पकड़कर जमकर पीटा, फिर उसकी पत्नी को बुलाया। पत्नी ने भी उसे पीटा। बुधवार सुबह उसे पीटते हुए घर ले गई। घटना जिला मुख्यालय से 25 किमी दूर कालपी कोतवाली क्षेत्र की है।

गोविंद निषाद बिजुआपुर थाना

कुठौंद का रहने वाला है। उसकी 23 साल पहले मैनूपुर की रहने वाली शकुंतला से शादी हुई थी। दोनों की 3 बेटियां हैं। वहीं, उसके साले रामकेश की शादी 21 साल पहले हुई थी। गोविंद का रामकेश की पत्नी सावित्री से 7-8 साल से अफेयर चल रहा था।

4 साल पहले सावित्री के पति रामकेश की सांप के काटने से मौत हो गई थी। इसके बाद गोविंद, सावित्री और उसके बेटे का खर्च उठाने लगा। घरवालों के मुताबिक, 11 अगस्त की शाम वह ट्रेन से अहमदाबाद से सीधे जालौन पहुंचा। सावित्री को फोन किया। कहा- रात में मिलने आऊंगा। रात 11 बजे गोविंद ससुराल पहुंचा। सावित्री ने धीरे से दरवाजा खोला और जीजा को कमरे में लेकर चली गई।

सावित्री के देवर ने बताया- भाभी के कमरे से फुसफुसाने की आवाज आ रही थी। इसके बाद मुझे शक हो गया। मैंने घरवालों को बुला लिया। कमरे की तलाशी ली, तो गोविंद बक्से में छिपा मिला। मैंने गोविंद और अपनी भाभी सावित्री की पिटाई की। फिर बहन शकुंतला को फोन करके बुलाया। इसके बाद बहन ने भी उसकी पिटाई की। इस दौरान जीजा कहता रहा कि दोबारा ऐसी गलती नहीं होगी। अब कभी ससुराल नहीं आऊंगा।

पृष्ठ 01 का शेष...

स्पीकर चर्चा के लिए...

समिति में लोकसभा के 21 और राज्यसभा के 10 सदस्य होंगे।

लोकसभा स्पीकर और राज्यसभा के सभापति समिति के सदस्यों को नामित करेंगे। समिति में बैठक के लिए कुल सदस्यों के करीब एक-तिहाई की मौजूदगी जरूरी होगी।

प्रस्ताव के मुताबिक, समिति को 2026 के शीतकालीन सत्र के पहले सप्ताह के आखिरी दिन तक अपनी रिपोर्ट सदन में पेश करनी होगी। इसके लिए राज्यसभा से भी समिति में शामिल होने और अपने सदस्यों के नाम भेजने की सिफारिश की जाएगी।

भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने कहा- जिस तरह से विपक्ष ने रांची की घटना पर चुप्पी साध रखी है, उन्हें पता है कि उन्हें भी इन सवालों का जवाब देना होगा। गृह मंत्री ने साफ कर दिया है कि वह सदन में जवाब देने के लिए तैयार हैं। देश के लोग देख सकते हैं कि कौन चर्चा से भाग रहा है क्योंकि वे गृह मंत्री का जवाब नहीं सुनना चाहते।

अमित शाह ने कहा कि सत्र शुरू होने के बाद से वह रोज संसद आ रहे हैं और अपने चैंबर में मौजूद रहते हैं, लेकिन विपक्ष दोनों सदनों को चलने नहीं दे रहा। उन्होंने कहा कि जब संसद की कार्यवाही ही नहीं चलने दी जा रही है तो सदन में जाने का क्या मतलब है। सरकार हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है।

शाह ने कहा- अब जनता तय करे कि वास्तव में कौन भाग रहा है। आज दोपहर 3 बजे से कल दोपहर 3 बजे तक सरकार हर तरह की चर्चा के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि वह सदन में मौजूद रहेंगे, सभी की बातें सुनेंगे और हर सवाल का जवाब देंगे।

गृह मंत्री ने कहा कि सरकार के पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है। वह इस मुद्दे पर चर्चा के साथ-साथ इस बात पर भी चर्चा करने के लिए तैयार हैं कि विपक्ष चर्चा क्यों नहीं करना चाहता।

यूपी में रक्षाबंधन से...

विशेष रूप से पूर्वी उत्तर प्रदेश की ओर यात्रियों की अधिक आवाजाही को देखते हुए इस दिशा में अतिरिक्त सेवाएं बढ़ाने पर जोर दिया गया है। यात्रियों की मांग के अनुसार लखनऊ और कानपुर समेत विभिन्न प्रमुख गंतव्यों के लिए भी अतिरिक्त बसें चलाई जाएंगी।

योगी सरकार ने केवल बसों की संख्या बढ़ाने पर ही नहीं, बल्कि यात्रियों की सुविधाओं पर भी विशेष ध्यान दिया है। सभी बसों और बस स्टेशनों पर साफ-सफाई, स्वच्छ पेयजल, यात्री प्रतीक्षालयों में पर्याप्त रोशनी और पंखों की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। बस संचालन की जानकारी यात्रियों तक लगातार पहुंचाने के लिए 24 घंटे चलने वाले कंट्रोल रूम की व्यवस्था भी की जाएगी। भीड़ वाले बस स्टेशनों पर पर्यवेक्षकों की निरंतर मौजूदगी रहेगी, जबकि डिपो और क्षेत्रीय अधिकारी भी व्यवस्थाओं की निगरानी करेंगे।

जंतर-मंतर सीजन...

यह प्रदर्शन 25 जुलाई को शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और मांगें मान लेने के बाद खत्म हो गया था।

चीफ स्पोक्सपर्सन सौरव दास ने कहा, ' कॉकरोच जनता पार्टी अब देशभर में 'लिसनिंग टूर' शुरू करने जा रही है, ताकि लोगों की बात सुनी जा सके। पार्टी एक कैंपेन चलाएगी और स्वतंत्रता दिवस से शिक्षा के मुद्दे को प्राथमिकता देगी।'

चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने 15 मई को एक मामले की सुनवाई के दौरान कहा- कुछ बेरोजगार युवा कॉकरोच जैसे होते हैं, जो बाद में मीडिया, सोशल मीडिया या RTI एक्टिविस्ट बनकर सिस्टम पर हमला करने लगते हैं।

16 मई को रात 12 बजे अभिजीत दीपके ने कॉकरोच जनता पार्टी नाम का सोशल मीडिया अकाउंट और वेबसाइट बनाई। X पर एक गूगल फॉर्म जारी हुआ। इसमें 'कॉकरोच जनता पार्टी' लिखी एक तस्वीर के साथ कैप्शन था- 'सभी कॉकरोचों के लिए एक नया प्लेटफॉर्म शुरू किया जा रहा है। अगर आप जॉइन करना चाहते हैं, तो लिंक पर क्लिक करें।

कश्मीरी पंडित मर्डर...

इसके कुछ दिन बाद, 1 मई 1990 को दोनों के शव एक पेड़ से लटके मिले थे। इससे पहले काउंटर-इंटेलिजेंस कश्मीर (CIK) ने 8 अगस्त को जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग, शोपियां और बारामूला जिलों में कई जगह एक साथ तलाशी ली थी। अनंतनाग के हिलर शाहाबाद इलाके में एक घर की तलाशी के दौरान डिप्टी सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस (DySP) फारूक अहमद के नेतृत्व वाली CIK टीम ने दो डिजिटल डिवाइस जब्त किए थे। अधिकारियों के मुताबिक, यह जब्ती CIK कश्मीर थाने में दर्ज FIR के सिलसिले में की गई थी।

कैश कांड : हाईकोर्ट ...

समिति ने कहा कि वर्मा के सरकारी आवास से बड़ी मात्रा में बेहिसाब नकदी मिलने, महत्वपूर्ण साक्ष्यों से छेड़छाड़ और जांच के दौरान टालमटोल व भ्रामक स्पष्टीकरण देने के आरोप साबित हुए हैं। यह मामला 14-15 मार्च 2025 की दरम्यानी रात नई दिल्ली स्थित पूर्व जस्टिस यशवंत वर्मा के सरकारी आवास में लगी आग के बाद सामने आया था। उस समय वर्मा दिल्ली हाई कोर्ट के न्यायाधीश थे। आग बुझाने के बाद स्टोर रूम में जले और अधजले 500 रुपये के नोटों के बंडल और ढेर मिलने की बात सामने आई थी। बाद में नकदी जलने का एक वीडियो भी सामने आया था। वर्मा ने आरोपों से इनकार करते हुए इसे उन्हें फंसाने की साजिश बताया था।

तत्कालीन भारत के सीजेआई के आदेश पर हुई आंतरिक जांच में वर्मा के खिलाफ प्रतिकूल निष्कर्ष आने के बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने न्यायाधीश (जांच) अधिनियम के तहत तीन सदस्यीय समिति का गठन किया था। इसकी अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति अरविंद कुमार ने की थी। समिति के गठन के लिए अलग-अलग राजनीतिक दलों के सांसदों ने प्रस्ताव का समर्थन किया था।

भाजपा के शब्दकोश ...

अखिलेश यादव ने अयोध्या स्थित राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी के मामले का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर है, लेकिन इसके बावजूद किसी की जवाबदेही तय नहीं हो रही है।

उन्होंने सवाल उठाया कि जब सरकारी परियोजनाओं और व्यवस्थाओं में लगातार खामियां सामने आ रही हैं तो जिम्मेदार अधिकारियों और सरकार की जवाबदेही क्यों तय नहीं की जा रही है।

एफसीआरए बिल को लेकर भी अखिलेश यादव ने सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पूरा विपक्ष इस बिल के खिलाफ है। उनका आरोप है कि सरकार की ओर से लाए जाने वाले बिलों का असर अल्पसंख्यकों पर पड़ता है।

मुंबई के घाटकोपर...

पुलिस के मुताबिक, हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के शव अस्पताल भेज दिए गए हैं। वहीं, घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें 18 साल के सोहेल अंसारी के सिर में चोट आई है, जबकि 14 साल के मोहम्मद अंसारी की पीठ में चोट लगी है।

मुंबई की मेयर ऋतु तावड़े ने घटनास्थल का दौरा कर राहत और बचाव कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने मृतकों के परिवार को 4 लाख की आर्थिक सहायता देने का ऐलान किया। वहीं, हादसे में घायल प्रत्येक व्यक्ति के इलाज के लिए 50 हजार देने की घोषणा की गई है।

मेयर ने मौके पर मौजूद सभी एजेंसियों को रेस्क्यू ऑपरेशन तेज करने और आपसी तालमेल के साथ काम करने के निर्देश दिए। BMC के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ फायर ब्रिगेड, NDRF, पुलिस और अन्य टीमें लगातार मलबा हटाने और लोगों की तलाश में जुटी हैं।

10 साल से डेट कर रहे थे, पिछले साल सगाई की थी, दोनों के 4 बच्चे हैं

रोनाल्डो ने गर्लफ्रेंड जॉर्जिना से शादी की

पुष्टि

नई दिल्ली, एजेंसी

फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने पुर्तगाल में अपनी गर्लफ्रेंड जॉर्जिना रोड्रिग्ज से शादी कर ली है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों ने मंगलवार को कोर्ट मैरिज की। रोनाल्डो और जॉर्जिना 2016 में मैड्रिड में मिले थे। दोनों तभी से साथ हैं। दोनों के चार बच्चे हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अंगूठियां पहने हुए फोटो भी शेयर की है।

रोनाल्डो ने पिछले साल 5 सितंबर को क्रोएशिया के खिलाफ मुकाबले में अपने करियर का 900वां गोल किया था। वे ऐसा करने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी हैं। रोनाल्डो ने यह माइलस्टोन हासिल करने के बाद सोशल मीडिया पर अपने फुटबॉल के सफर का एक क्लिप शेयर किया था। इस वीडियो को शेयर करते हुए रोनाल्डो ने सभी फैंस को शुक्रिया कहा। साथ ही कहा कि उन्होंने काफी समय से यह सपना देखा था, जो पूरा हो चुका है। अभी कुछ और सपने पूरे करने बाकी हैं। रोनाल्डो इस समय दुनिया के सबसे महंगे खिलाड़ी हैं। पिछले एक साल में उनकी अनुमानित कमाई $300 मिलियन (करीब 2858.25 करोड़) रही है। इसमें से करीब 2,242 करोड़ ($235 मिलियन) उन्हें मैदान पर खेल (सैलरी और बोनस) से मिले हैं, जबकि 619.38 करोड़ ($65 मिलियन) एंडोर्समेंट और अन्य बिजनेस वेंचर्स से आए हैं। सऊदी अरब के क्लब अल-नासर के लिए खेलने वाले रोनाल्डो दुनिया के उन चुनिंदा 4 एक्टिव एथलीट्स में शामिल हैं, जिनकी नेटवर्थ $1 बिलियन से ज्यादा है।

रोनाल्डो ने इसी साल खेला आखिरी वर्ल्ड कप

पुर्तगाल के रोनाल्डो ने इसी साल अपना आखिरी फीफा वर्ल्ड कप खेला। पुर्तगाल की टीम राउंड ऑफ-16 के मुकाबले में स्पेन से 0-1 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई थी। मैच से पहले रोनाल्डो ने घोषणा की थी कि यह उनका आखिरी फीफा वर्ल्ड कप है। मैच के बाद मैदान से बाहर जाते उनकी आंखों में आंसू थे। रोनाल्डो के वर्ल्ड कप डेब्यू के बाद पुर्तगाल ने 2006 में चौथा स्थान हासिल किया था।

एक साल पहले सगाई की थी

रोनाल्डो और जॉर्जिना ने आज से ठीक एक साल पहले 12 अगस्त 2025 को सगाई की थी। उस वक्त जॉर्जिना ने इंस्टाग्राम पर एंगेजमेंट रिंग की फोटो शेयर की थी और कैप्शन में लिखा था, 'हां, मैं आपसे प्यार करती हूं। इस जिंदगी और आने वाली हर जिंदगी में।' रोनाल्डो और जॉर्जिना 10 साल से डेट कर रहे हैं। दोनों ने 2017 की शुरुआत में अपने रिश्ते की पुष्टि की थी और ज्यूरिख में फीफा फुटबॉल अवार्ड्स में पहली बार साथ दिखाई दिए थे।

जॉर्जिना और बच्चों के साथ क्रिस्टियानो रोनाल्डो।

रोनाल्डो ने बड़े बेटे रोनाल्डो जूनियर (बाएं काली टी-शर्ट में) की मां की पहचान कभी उजागर नहीं की।

5 बच्चों के पिता हैं रोनाल्डो

जॉर्जिना स्पेनिश मॉडल और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हैं। रोनाल्डो और जॉर्जिना के चार बच्चे हैं। एवा मारिया और मातेओ का जन्म 2017 में सरोगेसी से हुआ था। 2017 में ही जॉर्जिना ने बेटी अलाना मार्टिना और 2022 में बेला एस्मेराल्डा को जन्म दिया था।

41 साल के रोनाल्डो का एक और बेटा है। क्रिस्टियानो रोनाल्डो जूनियर, जिनका जन्म 2010 में हुआ था। रोनाल्डो जूनियर की मां की पहचान रोनाल्डो ने कभी उजागर नहीं की। 2010 में जब उनके बेटे का जन्म हुआ, तब रोनाल्डो ने कहा था कि मां अपनी पहचान गोपनीय रखना चाहती हैं और बच्चे की जिम्मेदारी/कस्टडी वे खुद संभालेंगे।

रोहित शर्मा होस्ट के तौर पर टीवी पर डेब्यू करेंगे

गेम शो का फॉर्मेट, हर एपिसोड में 2 परिवार आएंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

क्रिकेटर रोहित शर्मा जल्द ही एक टीवी शो होस्ट करते हुए नजर आएंगे। 'द रोहित शर्मा शो' नाम का यह शो सोनी लिव पर भी स्ट्रीम होगा। हाल ही में शो का एक टीजर आया है।

सोनी ने अभी तक शो के फॉर्मेट के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी है। हालांकि, सोनी के प्रीव्यू पेज पर इसे रियलिटी शो के तौर पर लिस्ट किया गया है।

वहीं SportsYaari के मुताबिक यह शो अमेरिका के फेमस शो 'फैमिली फ्यूड' का भारतीय रूपांतरण होगा, जिसे स्टीव हार्वे होस्ट करते हैं।

यह क्विज शो नहीं, बल्कि गेम शो होगा, जिसमें दो परिवार हिस्सा लेंगे। इसकी शूटिंग सितंबर में शुरू हो सकती है, जबकि शो अक्टूबर में ऑन एयर हो सकता है।

रोहित इस प्रोजेक्ट पर करीब छह महीने काम करेंगे। इस दौरान हर हफ्ते एक एपिसोड प्रसारित किया जाएगा और शो फरवरी 2027 तक चल सकता है।

इससे पहले मई में शो से जुड़ा एक प्रोमो सामने आया था, जिसमें रोहित शर्मा अपने समर्थकों के साथ बातचीत करते नजर आते हैं। इस दौरान फैंस उनसे उनका मशहूर डायलॉग, 'कोई भी गार्डन में नहीं घूमेगा,' दोहराने की मांग करते हैं।

भारत और अफगानिस्तान के बीच 3 टी-20 मैच खेले जाएंगे

नई दिल्ली। भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की टी-20 सीरीज खेली जाएगी। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने टी-20 सीरीज की तारीखों को कन्फर्म किया है। मुकाबले 13, 15 और 17 सितंबर को नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जाएंगे।

बोर्ड ने 10 अगस्त को भेजे लेटर में कहा कि BCCI ने तारीखों पर सहमति दी है। इस सीरीज के साथ ही भारत के बांग्लादेश दौरा की संभावना लगभग खत्म हो गई है।

सीरीज को लेकर BCCI या अफगानिस्तान बोर्ड से कन्फर्मेशन आना बाकी है। यह पहली बार होगा कि अफगानिस्तान बाइलेटरल सीरीज में आधिकारिक तौर पर भारत की मेजबानी करेगा।

बोर्ड ने मीडिया राइट्स होल्डर्स से अपनी एडवांस प्लानिंग, शेड्यूलिंग, प्रोडक्शन अरेंजमेंट, प्रमोशनल एक्टिविटीज और दूसरी तैयारियां शुरू करने को कहा है।

सैम करन क्वालिटी ऑलराउंडर ■ फाफ के ऑक्शन में लौटने की उम्मीद जताई

आईपीएल फ्रेंचाइजियों ने एसए20 को ग्लोबल पहचान दिलाई : मॉरिस

नई दिल्ली, एजेंसी

साउथ अफ्रीका की टी-20 लीग SA20 के पांचवें सीजन से पहले पूर्व ऑलराउंडर क्रिस मॉरिस ने लीग, खिलाड़ियों और फ्रेंचाइजियों को लेकर बातें कीं।

मीडिया डे पर मॉरिस ने कहा कि IPL फ्रेंचाइजियों के निवेश ने SA20 को आर्थिक मजबूती देने के साथ ग्लोबल पहचान दिलाने में बड़ी भूमिका निभाई है।

उन्होंने जोहान्सबर्ग सुपर किंग्स (JSK) से फाफ डु प्लेसिस को रिलीज किए जाने पर हैरानी जताई। मॉरिस ने कहा कि फाफ के पास अभी भी टीम को देने के लिए काफी कुछ है। हालांकि, नए कोच के आने के बाद फ्रेंचाइजी को भविष्य के लिए टीम तैयार करने की जरूरत भी है।

मॉरिस को उम्मीद है कि JSK ऑक्शन में फाफ को दोबारा टीम में शामिल कर सकती है। उन्होंने सैम करन को भी क्वालिटी ऑलराउंडर बताया।

सैम करन के MI केपटाउन से डरबन सुपर जायंट्स जाने पर मॉरिस ने उनकी तारीफ की। उन्होंने करन को क्वालिटी ऑलराउंडर बताया।

मॉरिस के मुताबिक, करन बल्लेबाजी में अलग-अलग नंबर पर खेल सकते हैं। वे नई गेंद के साथ-साथ डेथ ओवरों में भी गेंदबाजी करने की क्षमता रखते हैं। MI केपटाउन को लेकर मॉरिस ने कहा कि टीम के पास पहले से ही मजबूत कोर मौजूद है। शुरुआती प्लेइंग-11 के करीब 9 खिलाड़ी टीम में बने हुए हैं।

सीजन-5 के बड़े नामों में मिचेल मार्श को लेकर भी मॉरिस उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर अपने बल्ले, गेंद और कप्तानी से सनराइजर्स ईस्टर्न केप पर बड़ा असर डाल सकते हैं।

आईपीएल फ्रेंचाइजियों का फायदा मिला

मॉरिस ने SA20 की सफलता में IPL फ्रेंचाइजियों के निवेश को बेहद महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि IPL दुनिया का बड़ा क्रिकेट ब्रांड है और उसकी फ्रेंचाइजियों के साउथ अफ्रीकी लीग में आने से SA20 को आर्थिक मजबूती मिली है।

रहाणे एसए20 में आए तो टीमों के लिए फायदेमंद

भारत के पूर्व बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे के SA20 में खेलने की संभावना पर मॉरिस ने कहा कि वे किसी भी टीम के लिए शानदार विकल्प हो सकते हैं। उन्होंने रहाणे के अनुभव और शांत स्वभाव की तारीफ की। मॉरिस ने कहा कि रहाणे लंबे समय तक भारत के लिए खेले हैं और IPL में कप्तानी भी कर चुके हैं। वे युवा खिलाड़ियों को काफी कुछ सिखा सकते हैं।

मनोरंजन

भारत में बैन होने को लेकर पाकिस्तानी सिंगर आतिफ असलम बोले- लोग वीपीएन से गाने सुनते हैं

'मुझे वहां काम करने की याद नहीं आती'

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी सिंगर आतिफ असलम ने भारत में लगे बैन पर बात करते हुए कहा कि लोग वीपीएन के जरिए उनका संगीत सुनते हैं और वो अपने फैंस को मिस करते हैं। यह बात उन्होंने रेडियो प्रेजेंटर क्रिस फेड के यूट्यूब चैनल पर बातचीत में कही।

बातचीत में आतिफ असलम ने कहा, "मुझे भारत में बैन हुए लगभग 10 साल हो गए हैं। यह भारतीय सरकार का फैसला था। उन्होंने पाकिस्तान के कलाकारों को बैन करने का फैसला किया। भारतीय कलाकार भी पाकिस्तान में बैन हैं। पिछले 10 साल से। मैंने वहां कोई गाना रिलीज नहीं किया है।"

उन्होंने भारतीय फैंस के लगातार अपने संगीत को सुनने का जिक्र करते हुए कहा कि लोग वीपीएन के जरिए उनका संगीत सुनते हैं और सीडी बनाकर दूसरों को देते हैं। उन्होंने कहा कि वह पाइरेसी को बढ़ावा नहीं देते, लेकिन संगीत जहां पहुंचना होता है, वहां पहुंच जाता है। मेरे पहले सिंगल के साथ भी ऐसा ही हुआ था।

सितंबर 2016 में उरी आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया था। इसी दौरान IMPPA ने अपने निर्माता सदस्यों को भारत-पाकिस्तान के रिश्ते सामान्य होने तक पाकिस्तानी कलाकारों और तकनीशियनों को काम न देने का निर्देश दिया था।

फरवरी 2019 में पुलवामा आतंकी हमले के कुछ दिनों बाद ऑल इंडिया सिने वर्कर्स एसोसिएशन (AICWA) ने भी भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में पाकिस्तानी एक्टर्स और कलाकारों पर पूरी तरह बैन की घोषणा की थी। इस हमले में 40 CRPF जवानों की जान गई थी। 2025 में पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ा। इसके बाद भारत सरकार ने पाकिस्तानी फिल्मों, वेब सीरीज, गानों और पॉडकास्ट पर रोक लगा दी।

आतिफ ने भारतीय फैंस को उदास नहीं होने कहा

भारतीय फैंस के लिए आतिफ ने कहा, "हां, इसे लेकर बुरा मत महसूस करो। उदास मत हो। मैं हमेशा से आप लोगों से कहना चाहता था कि मुझे आप लोगों की याद आती है। मुझे वहां काम करने की याद नहीं आती, लेकिन आप लोगों की याद आती है।" आतिफ ने आगे कहा कि मैंने प्लेबैक सिंगिंग से बहुत कुछ सीखा है। अगर यह बैन नहीं हुआ होता, तो शायद मैं अपना खुद का म्यूजिक नहीं बना पाता। इसलिए इसके लिए भी मैं आप लोगों का शुक्रिया अदा करता हूं।

एलियन मूवी के लिए अक्षय कुमार ने कसी कमर

नई दिल्ली, एजेंसी

हिंदी सिनेमा के सुपरस्टार अक्षय कुमार (Akshay Kumar) का नाम आए दिन चर्चा का विषय बना रहता है। जिसकी बड़ी वजह उनकी अपकमिंग फिल्में रहती हैं। लंबे समय से अक्की एक एलियन थ्रिलर मूवी समुक (Samuk) को लेकर लाइमलाइट में बने हुए हैं।

अब खबर आ रही है कि अक्षय कुमार की इस आने वाली फिल्म के लिए मेकर्स ने तैयारी शुरू कर दी है और जल्द ही इसकी शूटिंग का भी आगाज किया जा चुका है।

अभिनेता अक्षय कुमार इन दिनों अलग-अलग जॉनर और चुनौतीपूर्ण किरदारों के साथ प्रयोग कर रहे हैं। आने वाले दिनों में वह फिल्म 'हैवान' में नकारात्मक भूमिका में नजर आएंगे। वहीं अब

अक्षय अपनी आगामी एलियन थ्रिलर फिल्म 'समुक' की शूटिंग 23 अगस्त से लंदन में शुरू करेंगे। खबरों के मुताबिक फिल्म की शूटिंग का लगभग 90 फीसदी हिस्सा लंदन में शूट किया जाएगा, जबकि बाकी शूटिंग मुंबई में होगी। फिल्म की टीम शूटिंग को लगातार चलने वाले शेड्यूल में पूरा करने की योजना बना रही है। फिल्म के निर्माता विपुल अमृतलाल शाह है।

एनर्जेटिक अंदाज और डांस स्टेप्स देख लोगों ने बजाईं सीटियां

सलमान ने 'जीने के हैं चार दिन' पर किया डांस

नई दिल्ली, एजेंसी

बॉलीवुड एक्टर सलमान खान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें वो अपनी फिल्म मुझसे शादी करोगी के आइकॉनिक गाने 'जीने के हैं चार दिन' पर डांस करते नजर आ रहे हैं। उनके आसपास मौजूद लोग उनके एनर्जेटिक परफॉर्मेंस के दौरान चीयर और सीटियां बजाते सुनाई दे रहे हैं। हालांकि, अभी तक वीडियो को लेकर जानकारी सामने नहीं आई है कि यह कहां और कब का है।

वीडियो में सलमान नीले रंग की टी-शर्ट के साथ डेनिम जींस पहने नजर आ रहे हैं। उन्होंने ब्राउन जैकेट और फ्रेंच स्टाइल की हैट से अपना लुक पूरा किया है।

वहीं, टीवी पर सलमान खान बिग बॉस 20 के होस्ट के रूप में वापसी करने वाले हैं। शो का प्रीमियर 6 सितंबर, 2026 को कलर्स टीवी पर होगा और यह जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीम किया जाएगा। नए सीजन का प्रोमो भी आ चुका है। वहीं, सलमान की फिल्म 'मातृभूमिः मे रेस्ट इन पीस' में दिखाई देंगे। फिल्म के पोस्ट-प्रोडक्शन और बदलावों के कारण इसकी रिलीज में देरी हो रही है।

सलमान खान ने हाल ही में बताया था कि इंटरनेशनल एक्शन थ्रिलर फिल्म '7 डॉग्स' 21 अगस्त को भारतीय थिएटर्स में लगेगी। इसमें सलमान और संजय दत्त कैमियो रोल में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन बिलाल फल्लाह और आदिल एल अरबी ने किया है। इस फिल्म में मिस्र के स्टार्स करीम अब्दुल-अजीज और अहमद एज मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म इस साल की शुरुआत में मिडिल ईस्ट के देशों में रिलीज हो चुकी है।

सोहेल की पार्टी में सलमान पहुंचे थे

शनिवार को रियलिटी शो 'अलायंस' के खत्म होने के बाद अभिनेता सोहेल खान ने मुंबई में एक सक्सेस पार्टी रखी। इस पार्टी में सलमान ऑल ब्लैक लुक और सिर पर हैट पहनकर स्वैग वाले अंदाज में पहुंचे थे। पार्टी में एंट्री के दौरान जब बाहर खड़े पैपराजी जोर-जोर से चिल्लाने लगे, तो सलमान ने उंगली उठाकर उन्हें शांत रहने का इशारा किया। सलमान ने पैपराजी से इशारे में कहा कि रात काफी हो चुकी है, इसलिए शोर कम मचाएं।

बॉक्स ऑफिस पर तबाही मचाने को तैयार है 'शिवम'

एडवांस बुकिंग में धड़ल्ले से बिके आवारापन2 के टिकट

नई दिल्ली। 19 साल के लंबे अंतराल के बाद अभिनेता इमरान हाशमी (Emraan Hashmi) शिवम पंडित के किरदार में फिल्म आवारापन 2 के जरिए सिनेमा जगत में वापसी करने जा रहे हैं। कुछ ही दिनों बाद इस फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। इससे पहले एडवांस बुकिंग के मामले में आवारापन 2 (Awarapan 2) अभी तक शानदार प्रदर्शन करती हुई नजर आ रही है।

रिलीज से पहले आवारापन 2 कि टिकटें धड़ल्ले से बिक रही हैं, जो इस बात की तरफ इशारा करती हैं कि इमरान की इस मूवी के लिए फैंस काफी क्रेजी हैं। आइए जानते हैं कि अब तक आवारापन 2 की कितनी टिकटों की बुकिंग हो चुकी है।

साल 2007 में आवारापन का पहला पार्ट रिलीज किया गया था। कमर्शियल तौर पर वह फ्लॉप रहा, लेकिन अपने गानों और बाद में टीवी पर आने के बाद फिल्म कल्ट बनी। यही कारण है, जो फिलहाल आवारापन 2 को लेकर जबरदस्त हाइप नजर आ रहा है। हाल ही में आवारापन 2 की एडवांस बुकिंग को ओपन किया गया है और इस मामले में इमरान हाशमी की फिल्म ने अब तक अपनी छाप छोड़ी है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार अब तक आवारापन 2 की 37 हजार 183 टिकट सोल्ड हो चुकी हैं। जिसमें फिल्म की स्क्रीनिंग के सभी भाषाओं के वर्जन शामिल हैं। इसके अलावा बात की जाए ग्रॉस लेवल पर फिल्म की एडवांस बुकिंग के आंकड़े की तरफ तो वह अब तक 1.3 करोड़ के करीब पहुंच गया है, जो ये बताने के लिए काफी है कि ओपनिंग डे पर बॉक्स ऑफिस पर आवारापन 2 को धमाकेदार शुरुआत मिल सकती है। इस तरह से फिलहाल आवारापन 2 एडवांस बुकिंग में अपनी धाक जमाए हुए है। गौर करने वाली बात ये है कि अभी आवारापन 2 की रिलीज में दो दिनों का समय और बाकी रह गया है। उस लिहाज से फिल्म की एडवांस बुकिंग टिकटों का ये आंकड़ा 50 हजार के पार आसानी से जा सकता है।

अजीबोगरीब वादों से सुर्खियां बटोर रहा, कहा- हर वोटर को सस्ता घर दूंगा

कट्टरपंथी नेता के सामने कूड़ेदान वाला उम्मीदवार

चर्चा

लंदन, एजेंसी

ब्रिटेन में इन दिनों एक ऐसा उम्मीदवार चर्चा में है, जो चुनाव प्रचार के दौरान कूड़ेदान जैसी पोशाक पहनता है और खुद को एलियन बताता है। काउंट बिनफेस नाम के ये उम्मीदवार क्लैक्टन उपचुनाव में रिफॉर्म यूके के कट्टरपंथी नेता नाइजेल फराज के खिलाफ मैदान में हैं।

काउंट बिनफेस का कहना है कि चुनाव का नतीजा कुछ भी हो, जीत उसी की मानी जाएगी। वह अपने अजीबोगरीब वादों की वजह से भी

इस साल मेकरफील्ड उपचुनाव में ब्रिटेन के मौजूदा प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम (बीच में), काउंट बिनफेस (बाएं) और लोमड़ी की पोशाक पहनने वाले एनिमल राइट एक्टिविस्ट रॉबर्ट पाउनॉल भी उम्मीदवार थे।

खूब चर्चा में है। वे हर नागरिक को सस्ता घर देने का वादा कर रहे हैं। मौजूदा हालात में काउंट बिनफेस चुनाव जीत जाएंगे इसकी संभावना बहुत कम है। दरअसल, क्लैक्टन सीट से फराज सांसद रह चुके हैं। पिछले चुनाव में उन्हें 46% वोट मिले थे। हालिया सर्वे में उन्हें करीब 73% वोट मिलने का अनुमान जताया गया है।

जॉन हार्वे ने पहला चुनाव लॉर्ड बकेटहेड के नाम से साल 2017 में लड़ा था।

काउंट बिनफेस नाम का मतलब क्या है

यह नाम 2 शब्दों से मिलकर बना है। काउंट, बिनफेस। काउंट राजशाही से जुड़ी एक उपाधि है। जैसे कि लॉर्ड, अर्ल या बैरन भी एक उपाधि है। ऐसे में काउंट बिनफेस का मतलब है- कूड़ेदान के चेहरे वाला काउंट। काउंट बिनफेस ने 2019 में तत्कालीन प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के खिलाफ चुनाव लड़ा। इसके बाद वे 2021 और 2024 के लंदन मेयर चुनाव, 2023 उपचुनाव, 2024 आम चुनाव और 2026 में एक उपचुनाव में भी उम्मीदवार रहे।

ब्रिटेन की लेबर, कंजर्वेटिव और लिबरल डेमोक्रेट जैसी बड़ी पार्टियों ने इस उपचुनाव में उम्मीदवार नहीं उतारा है। इससे फराज की जीत की संभावना और मजबूत हो गई है। काउंट बिनफेस इस चुनाव में फराज के सबसे चर्चित प्रतिद्वंद्वी हैं, लेकिन वे अकेले नहीं हैं। इस उपचुनाव में कुल 33 उम्मीदवार मैदान में हैं।

कॉपीराइट को लेकर विवाद हुआ, फिर नाम पड़ा काउंट बिनफेस

काउंट बिनफेस का किरदार 46 वर्षीय लेखक और कॉमेडियन जॉन हार्वे निभाते हैं। वे काउंट बिनफेस नाम से कई बार चुनाव लड़ चुके हैं।

हार्वे ने पहली बार 2017 के ब्रिटिश आम चुनाव में लॉर्ड बकेटहेड नाम से तत्कालीन पीएम थेरेसा मे के खिलाफ चुनाव लड़ा था। इस नाम को लेकर कॉपीराइट विवाद हो गया। दरअसल, लॉर्ड बकेटहेड भी एक व्यंग्यात्मक काल्पनिक किरदार है। यह काले रंग की टोपी पहनता है जो कि बाल्टी जैसा दिखता है। सबसे पहले 1987 में माइक ली नाम के एक शख्स ने लॉर्ड बकेटहेड नाम से यह चुनाव लड़ा था। इसके बाद हार्वे को लॉर्ड बकेटहेड नाम छोड़ना पड़ा। इसके बाद हार्वे ने काउंट बिनफेस किरदार को 2018 में चुनाव से कुछ महीने पहले लॉन्च किया।

काउंट बिनफेस के लिए असली जीत सीट जीतना नहीं, बल्कि अच्छा वोट हासिल करना होगा। अब तक उन्हें सबसे ज्यादा 2021 के लंदन मेयर चुनाव में करीब 1% वोट मिले थे।

'अगर वह आती हैं तो उन्हें पूरी सुरक्षा दी जाएगी'

शेख हसीना की वतन वापसी पर बोला बांग्लादेश

ढाका, एजेंसी

भारत में शेख हसीना के लगातार निर्वासन के बाद उन्होंने वापस बांग्लादेश लौटने की इच्छा जताई है। इस बीच बांग्लादेश की सरकार ने उनके वापस लौटने पर पूरी सुरक्षा का वादा किया है। साथ ही उनके भविष्य का फैसला अदालतों पर छोड़ दिया। प्रधानमंत्री के सूचना और प्रसारण सलाहकार जाहिद उर रहमान ने कहा, ₹हसीना ने कहा है कि वह दिसंबर में घर लौटेंगी। जब वह घर लौटेंगी तो उन्हें पूरी सुरक्षा दी जाएगी और उन्हें सभी तरह के कानूनी और संवैधानिक अधिकारों के साथ न्यायिक प्रक्रिया का सामना करना होगा। फिर अदालत जो भी फैसला सुनाएगी उसे सभी को मानना होगा। उन्होंने कहा कि सबसे गंभीर अपराधों के आरोपी लोगों के भी नागरिक और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा की जाएगी (हसीना सरकार के खिलाफ 2024 के विद्रोह के दौरान) चाहे वह शाकिब अल हसन हों (जो अवामी लीग के पूर्व सांसद और बांग्लादेशी क्रिकेटर हैं) या खुद हसीना। जाहिद ने कहा, ₹हम इस देश में दोबारा हसीना जैसा माफिया शासन नहीं देखना चाहते। नई दिल्ली में 5 अगस्त को हसीना की वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद (जिसमें उन्होंने कहा था कि उन्हें लौटने पर गिरफ्तार होने का डर नहीं है) बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने उन्हें दोषी नरसंहारकर्ता (convicted genocider) कहा था।

फास्ट न्यूज

जिम्बाब्वे की करिबा झील में पलटी नाव

हरारे । जिम्बाब्वे की करिबा झील में क्षमता से ज्यादा यात्रियों से भरी एक नाव पलट गई। हादसे में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई, जबकि 27 लोग लापता हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी जानकारी देते हुए बताया कि 77 लोगों को बचा लिया गया और उन्हें झील में मौजूद एक द्वीप पर ले जाया गया। जिम्बाब्वे की सिविल प्रोटेक्शन यूनिट ने बताया कि टिकट बिक्री के रिकॉर्ड के आधार पर नाव में 114 वयस्क यात्री और चालक दल के पांच सदस्य सवार थे।

पाकिस्तानी सेना को भारी नुकसान पहुंचा रही बीएलए

इस्लामाबाद । बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना को निशाना बनाकर किए गए 38 हमलों की जिम्मेदारी ली है, जिसमें 32 से ज्यादा सैन्यकर्मी और उनके सहयोगी मारे गए और बड़ी संख्या में लोग घायल हुए। मंगलवार को जारी बयान में बीएलए प्रवक्ता जीयंद बलूच ने कहा कि ये हमले 1 से 8 अगस्त के बीच किए गए। सशस्त्र समूह ने पाकिस्तानी सैन्य काफिलों, कैंप, पैदल दस्तों, पुलों, रेलवे लाइनों, पुलिस चेक पोस्ट और सामान ढो रहे वाहनों को निशाना बनाया।

बाली में आग और ऊंची लहरों के बीच फंसा जहाज

इंडोनेशिया । इंडोनेशिया के टूरिस्ट आइलैंड बाली के पास बुधवार को ऊंची लहरों के बीच एक पैसेंजर जहाज में आग लग गया। जिसमें 172 लोगों को बचाया गया है। जिनमें 2 ऑस्ट्रेलियाई पर्यटक भी शामिल थे। वहीं, एक की मौत हो गई है। मृतक लड़की इंडोनेशिया की थी। मताराम सर्च एंड रेस्क्यू ऑफिस के प्रमुख मुहम्मद हरियादी ने कहा, 'हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता सभी यात्रियों और क्रू सदस्यों की सुरक्षा है।'

देश में बिजनेस परिवारों की संपत्ति 138 लाख करोड़ हुई

नई दिल्ली, एजेंसी

ये नीदरलैंड्स और सऊदी अरब जैसे देशों की इकोनॉमी से ज्यादा रोजाना 4,076 करोड़ जोड़े

भारत के 300 सबसे अमीर फैमिली बिजनेस की कुल संपत्ति रिकॉर्ड 138 लाख करोड़ पर पहुंच गई है। 2024 के मुकाबले इनकी संपत्ति करीब 30 लाख करोड़ रुपए और 2025 के मुकाबले 1.23 लाख करोड़ रुपए बढ़ी है। यह संपत्ति नीदरलैंड्स और सऊदी अरब जैसे देशों की इकोनॉमी से भी ज्यादा है। '2026 बार्कलेज प्राइवेट क्लाइंट्स हुरुन इंडिया मोस्ट वैल्युएबल फैमिली बिजनेस लिस्ट' के मुताबिक बीते दो सालों में इन बिजनेस फैमिली ने रोजाना औसतन 4,076 करोड़ जोड़े हैं। जिंदल परिवार ने पिछले तीन सालों में सबसे ज्यादा वेल्थ क्रिएट की है। जिंदल परिवार ने बीते 3 सालों में अपनी संपत्ति में 3.3 लाख करोड़ रुपए जोड़े हैं, जिससे उनकी कुल नेटवर्थ 70% बढ़कर 8.02 लाख करोड़ रुपए पहुंच गई है। हुरुन इंडिया के फाउंडर और मुख्य शोधकर्ता अनस रहमान जुनैद के अनुसार, भारत के सबसे मूल्यवान पारिवारिक व्यवसायों की कुल संपत्ति 1.46 ट्रिलियन डॉलर यानी करीब 138 लाख करोड़ रुपए पहुंच गई है। अनस रहमान ने बताया कि अगर इस लिस्ट में शामिल सभी परिवारों की कुल संपत्ति को मिलाकर एक देश मान लिया जाए, तो जीडीपी (GDP) के मामले में यह दुनिया की 18वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगी।

फरवरी 2027 तक जिम्मेदारी संभालते रहेंगे, नोएल टाटा से मतभेद, ट्रस्ट में खींचतान बनी वजह

टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन का इस्तीफा

नई दिल्ली, एजेंसी

टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने आज 12 अगस्त को इस्तीफा दे दिया है। उनका इस्तीफा 18 अगस्त को होने वाली टाटा संस की एजीएम से ठीक पहले आया है। हालांकि, वे फरवरी 2027 तक पद पर बने रहेंगे। चंद्रशेखरन के तीसरे कार्यकाल को लेकर टाटा ट्रस्ट्स के साथ सहमति नहीं बन पाई थी। नए कारोबारों में भारी निवेश, उनके प्रदर्शन और टाटा संस के भविष्य को लेकर मतभेद इस फैसले की बड़ी वजह बने। एन चंद्रशेखरन के इस्तीफे की खबर के बाद टाटा ग्रुप की लिस्टेड कंपनियों के शेयरों में गिरावट है। टीसीएस, टाटा मोटर्स, टाटा स्टील और टाटा

एन चंद्रशेखरन ने 2017 में चेयरमैन पद की कमान संभाली थी।

कंज्यूमर के शेयर 3% तक नीचे हैं। चंद्रशेखरन के कार्यकाल में टाटा ग्रुप ने एविएशन, डिजिटल कारोबार, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर और बैटरी जैसे नए क्षेत्रों में बड़े निवेश किए। इनमें से कुछ कारोबार अभी घाटे में हैं। एअर इंडिया और एअर इंडिया एक्सप्रेस को FY26 में कुल 22,238 करोड़ का घाटा हुआ, जबकि टाटा डिजिटल का घाटा 4,974 करोड़ रहा। इन्हीं मुद्दों पर नोएल टाटा ने चंद्रशेखरन के प्रदर्शन को लेकर आपत्ति जताई थी। टाटा संस को शेयर बाजार में लिस्ट किया जाए या निजी कंपनी ही रखा जाए, इस पर टाटा ट्रस्ट्स के अंदर अलग-अलग राय सामने आई। नोएल टाटा लिस्टिंग के पक्ष में नहीं बताए जाते हैं, जबकि कुछ ट्रस्टी लिस्टिंग की वकालत कर चुके हैं। टाटा ट्रस्ट्स के पास टाटा संस की करीब 66% हिस्सेदारी है, इसलिए दोनों के बीच बड़े फैसलों पर सहमति बेहद अहम है।

चंद्रशेखरन ने इस्तीफा देते हुए क्या कहा

चंद्रशेखरन ने कहा कि, टाटा संस के चेयरमैन के रूप में मेरा मौजूदा कार्यकाल 20 फरवरी 2027 को खत्म हो रहा है। सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पास करके मेरे अगले 5 साल के कार्यकाल के विस्तार की सिफारिश की थी।

इसे टाटा संस की नॉमिनेशन एंड रेमुनरेशन कमेटी और बोर्ड ने दर्ज किया था और आगे बढ़ाने की सिफारिश की थी। इसके बाद, यह प्रस्ताव 24 फरवरी 2026 को टाटा संस बोर्ड के सामने रखा गया था। हालांकि, यह प्रस्ताव आगे नहीं बढ़ सका क्योंकि बोर्ड के एक सदस्य ने इसका समर्थन नहीं किया। सर्वसम्मत समर्थन न मिलने की वजह से मैंने इस फैसले को टालने का विकल्प चुना। उस बोर्ड मीटिंग को हुए 6 महीने बीत चुके हैं और आज तक कोई फैसला नहीं हो पाया है। टाटा संस एक बहुत बड़ा संस्थान है और कई बड़े रणनीतिक प्रोजेक्ट्स अभी अहम मोड़ पर हैं।

चंद्रशेखरन का कार्यकाल बढ़ाने पर मतभेद

फरवरी 2026 में टाटा संस बोर्ड ने चंद्रशेखरन के अगले 5 साल के कार्यकाल की सिफारिश की थी। बाद में टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा ने इसका विरोध किया और सिर्फ 2 साल का कार्यकाल देने की वकालत की। 24 फरवरी 2026 को 5 साल के विस्तार का प्रस्ताव बोर्ड के सामने रखा गया। एक सदस्य के समर्थन न देने से इस पर सहमति नहीं बन सकी है।

3 पाकिस्तानी समेत 4 की मौत, रेड सी में अब तक 8 जहाजों को निशाना बनाया

हूती विद्रोहियों का सऊदी जहाज पर मिसाइल हमला

नई दिल्ली। यमन के हूती विद्रोहियों ने मंगलवार को बाब अल-मंदेब स्ट्रेट में सऊदी से जुड़े जहाज पर मिसाइल हमला किया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसमें 4 क्रू मेंबर मारे गए। इनमें 3 पाकिस्तानी और 1 इंडोनेशियाई नागरिक था।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, तंजानिया के झंडे वाले इस जहाज का नाम 'तिहामा' था। यह ओमान के सलालाह पोर्ट से जिबूती जा रहा था।

हूती विद्रोहियों ने 20 जुलाई को सऊदी जहाजों की नाकाबंदी शुरू की थी। इसके बाद से वे रेड सी में सऊदी से जुड़े 8 जहाजों पर हमला कर चुके है। इनमें एनसिलिया, लायला, गजल और वफा जैसे जहाज शामिल हैं। ईरान और सऊदी अरब यमन में युद्ध लड़ रहे हैं। दोनों देश वहां विरोधी पक्षों का समर्थन करते हैं। सऊदी अरब अंतरराष्ट्रीय मान्यता मिली सरकार का समर्थन करता है, जबकि ईरान हूतियों के साथ है। हूती संगठन यमन के बड़े हिस्से पर नियंत्रण रखता है।

बाब अल-मंदेब स्ट्रेट में शिप पर हुतियों के हमले की यह तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हैं।

हूतियों ने 2023 और 2024 में भी रेड सी में लगातार जहाजों पर हमले किए थे। इससे समुद्री यातायात पर असर पड़ा था। इस समय हूतियों के हमलों का असर इसलिए ज्यादा महसूस हो रहा है, क्योंकि दुनिया पहले से ही होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने से जूझ रही है। रेड सी दुनिया के सबसे अहम समुद्री रास्तों में से एक है। इसके एक तरफ सऊदी अरब और यमन हैं, जबकि दूसरी तरफ मिस्र, सूडान, इरिट्रिया, जिबूती और सोमालिया स्थित हैं।

होर्मुज के बाद बाब अल-मंदेब में भी खतरा बढ़ा

यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब होर्मुज स्ट्रेट बंद होने से समुद्री कारोबार पहले ही दबाव में है। अब बाब अल-मंदेब में भी जहाजों पर हमले बढ़ रहे हैं। इससे शिपिंग कंपनियों की परेशानी और बढ़ गई है।

हूती विद्रोही रेड सी से गुजरने वाले जहाजों को निशाना बना रहे हैं। रॉयटर्स के मुताबिक सऊदी जहाजों पर हूतियों के हमलों में यह पहली बार है, जब किसी की मौत हुई है।

हूतियों के हमलों का असर सऊदी अरब के तेल निर्यात पर भी पड़ा है। समुद्र में जहाजों की आवाजाही कम हुई है। सुरक्षा के डर से कई जहाज रेड सी और स्वेज नहर के रास्ते से बच रहे हैं।

बाब अल-मंदेब से गुजरने वाले जहाज घटे

केप्लर के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले हफ्ते बाब अल-मंदेब से रोज औसतन 32 जहाज गुजरे। पहले यहां रोज करीब 50 जहाज गुजरते थे। यानी अब इस रास्ते से करीब 18 जहाज कम गुजर रहे हैं।

कई जहाज अब अफ्रीका के चारों ओर से जा रहे हैं। यह रास्ता काफी लंबा है। इससे सामान पहुंचने में ज्यादा समय लग रहा है। इसका असर सप्लाई पर भी पड़ रहा है। सामान की कमी बढ़ सकती है। सप्लाई लाइन पर दबाव बढ़ रहा है। इससे रोजमर्रा की चीजों का खर्च भी बढ़ सकता है।

खैबर पख्तूनख्वा में सुरक्षा बलों की कार्रवाई में 10 आतंकी ढेर

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में कई खुफिया जानकारी के आधार पर सुरक्षा बलों ने 10 आतंकवादियों को ढेर कर दिया है, जबकि 16 अन्य घायल हुए हैं। बुधवार को पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, आतंकवादियों के ठिकानों की निरंतर निगरानी के बाद खुफिया इनपुट के आधार पर बुधवार को बन्नू जिले में अभियान शुरू किया गया था।

यह कार्रवाई बन्नू में बढ़ाई गई सुरक्षा गतिविधियों के बीच हुई है। इससे पहले मंगलवार को भी सुरक्षा बलों ने जानी खेल इलाके में अदनान क्रिकेट स्टेडियम के पास चलाए गए खुफिया-आधारित अभियान में दो आतंकवादियों को मार गिराया था।

पुलिस के मुताबिक, आतंकवादी इस्लामिक मदरसे को अपने छिपने के ठिकाने के रूप में इस्तेमाल कर रहे थे। सैन्य कार्रवाई से पहले नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पूरे परिसर को सुरक्षित तरीके से खाली करा लिया गया था। इसके बाद, जब आतंकवादियों की तरफ से फायरिंग की गई, तब सुरक्षा बलों ने मदरसे के अंदर मौजूद आतंकियों पर जवाबी कार्रवाई की। पुलिस ने बताया कि बुधवार के अभियान के दौरान अलग-अलग जगहों पर छिपे आतंकवादियों को सटीक निशाना बनाने के लिए ड्रोन का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया गया। बाद की कार्रवाइयों में, पेड़ों के नीचे छिपे और मोटरसाइकिल पर यात्रा कर रहे आतंकवादियों पर भी क्वाडकॉप्टर के जरिए हमले किए गए।

संधि : समुद्र यह विवाद यूक्रेन के सरकारी स्वामित्व वाले बैंक ओशचाडबैंक द्वारा दायर किया गया

अरबों डॉलर के विवाद को सुलझाएंगे चंद्रचूड़

वहीं, ग्रीक मध्यस्थ और नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर के प्रोफेसर स्टावरोस ब्रेकोलाकिस को ओशचाडबैंक द्वारा नियुक्त किया गया है, जबकि जस्टिस चंद्रचूड़ को रूस द्वारा नियुक्त किया गया है।

यूक्रेन के चार क्षेत्रों की संपत्ति से जुड़ा है विवाद

ओशचाडबैंक का दावा डोनेत्स्क, लुहांस्क, खेरसॉन और जापोरिज्जिया में मौजूद उसकी संपत्तियों और गतिविधियों से संबंधित है। यूक्रेनी सरकारी बैंक का कहना है कि यूक्रेन में 2022 में रूस के आक्रमण के बाद रूसी सैन्य कार्रवाइयों ने इन क्षेत्रों में अपनी संपत्तियां खो दी हैं।

ऐसा माना जा रहा है कि यह दावा करोड़ों डॉलर का है। बार एंड बेंच के अनुसार, ओशचाडबैंक ने जुलाई 2025 में रूस को विवाद का नोटिस भेजा था, जिसका कथित तौर पर कोई जवाब नहीं मिलने के बाद बैंक ने मध्यस्थता प्रक्रिया की शुरुआत की। यह कार्यवाही रूसी संघ की सरकार और यूक्रेन के मंत्रिमंडल के बीच 1998 में हुए निवेश के प्रोत्साहन और पारस्परिक संरक्षण समझौते के तहत शुरू की गई है।

मॉस्को, एजेंसी

रूस ने भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ को निवेश संधि विवाद में अपना आर्बिट्रेटर नियुक्त किया है। यह विवाद यूक्रेन के सरकारी स्वामित्व वाले बैंक ओशचाडबैंक द्वारा दायर किया गया है। ग्लोबल आर्बिट्रेशन रिव्यू की रिपोर्ट में जानकारी सामने आई है। इस विवाद की सुनवाई 1998 की यूक्रेन-रूस द्विपक्षीय निवेश संधि के तहत तीन सदस्यीय आर्बिट्रल ट्रिब्यूनल द्वारा की जा रही है। कोस्टा रिका की मध्यस्थ और पूर्व व्यापार मंत्री डियाला जिमेनेज को दोनों पक्षों द्वारा संयुक्त रूप से ट्रिब्यूनल के अध्यक्ष के रूप में चुना गया है।

यह विवाद ओशचाडबैंक की उस पिछली मध्यस्थता प्रक्रिया से अलग है जो 2014 में रूस द्वारा क्रीमिया पर कब्जा करने के बाद उसकी गतिविधियों और संपत्तियों को लेकर शुरू हुई थी। उस पुराने मामले में परमानेंट कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन के तहत गठित ट्रिब्यूनल ने रूस को अवैध अधिग्रहण के लिए जिम्मेदार ठहराया था और ओशचाडबैंक को ब्याज और मध्यस्थता लागत के साथ लगभग 1.1 अरब डॉलर का मुआवजा दिया था। हालांकि, रूस ने उस कार्यवाही में भाग लेने से इनकार कर दिया था, लेकिन ट्रिब्यूनल ने लागू मध्यस्थता नियमों के तहत अपना काम जारी रखा था।

भारत-पाक दौरे पर जब यूएस राष्ट्रपति ने लिया था 'सीक्रेट प्लेन'

ट्रंप के गुप्त मिशन से याद आया 26 साल पुराना किस्सा

वाशिंगटन, एजेंसी

विदेशी दौरे के दौरान सुरक्षा उपाय के तौर पर डिकॉय विमान का इस्तेमाल करने वाले डोनल्ड ट्रंप पहले अमेरिकी राष्ट्रपति नहीं हैं। उनसे पहले भी अमेरिकी राष्ट्रपतियों की सुरक्षा के लिए इस तरह के बेहद गोपनीय और नाटकीय कदम उठाए जा चुके हैं।

द वाशिंगटन पोस्ट के अनुसार, जुलाई में ट्रंप एक सैन्य विमान से गुप्त रूप से तुर्की से रवाना हुए थे, जबकि व्हाइट हाउस ने सार्वजनिक रूप से यह दिखाया था कि वह अपने पारंपरिक एयर फोर्स वन विमान में यात्रा कर रहे हैं। यह कदम ईरान से संभावित खतरों से बचने के लिए उठाया गया था।

यूएसए टुडे के मुताबिक, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने भी साल 2000 में अपने भारत और पाकिस्तान दौरे के समय इसी तरह की रणनीति अपनाई थी। क्लिंटन बिना पहचान वाले विमान से भारत से पाकिस्तान गए थे, जो पारंपरिक एयर फोर्स वन के पीछे-पीछे उड़ान भर रहा था।

यह योजना तब तक गुप्त रखी गई जब तक कि कड़ी सुरक्षा के बीच इस्लामाबाद में उतरने के बाद क्लिंटन उस दूसरे विमान से बाहर नहीं आ गए। यह पाकिस्तान की उनकी छह घंटे की एक संक्षिप्त यात्रा थी। उस समय सुरक्षा की यह व्यवस्था इतनी असामान्य थी कि व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने क्लिंटन के साथ यात्रा कर रहे प्रेस के सदस्यों को इन इंतजामों के बारे में पहले ही जानकारी दे दी थी।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96